आश्विन शुक्ल - 3 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 62 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 24-09-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

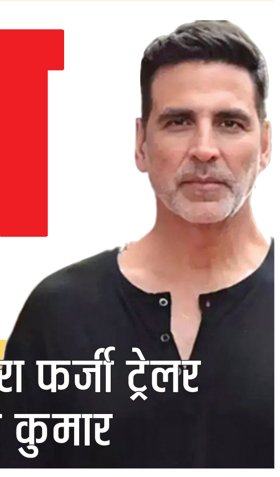

5 प्रशांत किशोर के आरोपों पर राजग मंत्री सफाई दें या पद छोड़ें : आर. के. सिंह

6 मलयालम सिनेमा के गौरव मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

7 महर्षि वाल्मीकि के रूप में मेरा फर्जी ट्रेलर एआई से बनाया गया : अक्षय कुमार

## फर्स्ट टेक

### रुपया 47 पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

**मुंबई/भाषा।** रुपया मंगलवार को 47 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.75 (अस्थायी) के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। अमेरिका के एच-1बी वीजा शुल्क में भारी वृद्धि और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच घरेलू मुद्रा पर दबाव है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.41 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में फिसलकर यह दिन के सर्वकालिक निचले स्तर 88.76 प्रति डॉलर पर आ गया। अंत में यह 88.75 (अस्थायी) प्रति डॉलर के अबतक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 47 पैसे की गिरावट है।

### चीन के शीर्ष रक्षा वैज्ञानिक को भ्रष्टाचार के आरोप में हिरासत में लिया गया

**बीजिंग/भाषा।** हथियार प्रणालियों के लिए 'सेमीकंडक्टर चिप्स' विकसित करने में विशेषज्ञता रखने वाले चीन के एक शीर्ष वैज्ञानिक को भ्रष्टाचार निरोधक प्राधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। उनकी कंपनी 'झेजियांग ग्रेट माइक्रोवेव टेक्नोलॉजी' ने यह जानकारी दी। हांगकांग में 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की मंगलवार की खबर के अनुसार, कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसे '21 सितंबर को कंपनी के वास्तविक नियंत्रक और अध्यक्ष यू फैक्सिन के परिवार से पता लगा कि यू को हुआंगशी के 'सुपरवायसरी कमीशन' द्वारा हिरासत में लिया गया है।' यू यहां हांग्जो स्थित झेजियांग यूनिवर्सिटी के 'एयरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स' स्कूल में प्रतिष्ठित प्रोफेसर भी हैं।

### खालिस्तानी नेता गोसल हथियारों से जुड़े अपराधों में गिरफ्तार

**टोरंटो/भाषा।** कनाडा की पुलिस ने खालिस्तानी नेता इंदरजीत सिंह गोसल को ओंटारियो प्रांत के व्हिटबी शहर में हथियारों से जुड़े दर्जन से अधिक अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह जानकारी स्थानीय मीडिया की खबरों में दी गयी है। ग्लोबल न्यूज ने सोमवार को अदालत के दस्तावेजों के हवाले से बताया कि ओंटारियो प्रांतीय पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को गोसल को बंदूक का लापरवाही से इस्तेमाल करने और अन्य संबंधित अपराधों के लिए गिरफ्तार किया। सोमवार को 36 वर्षीय गोसल को ओशावा की अदालत में पेश किया गया। अदालत में उस पर टोरंटो निवासी 23 वर्षीय अरमान सिंह और न्यूयॉर्क निवासी 41 वर्षीय जगदीप सिंह के साथ आरोप लगाये गये।

| सूर्यास्त 23-09-2025 | सूर्योदय 24-09-2025 |
|---|---|
| 6:03 बजे | 5:58 बजे |

| BSE | NSE |
|---|---|
| 82,102.10 | 25,169.50 |
| (-57.87) | (-32.85) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 11,525 रु. | 144,000 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

**मिशन मंडेला**

**दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### राजनीतिक फण्डे

है राजनीति का प्रबल अस्त्र,<br>
दुश्मन की करना जासूसी।<br>
सत्ता कहती है हरा जिसे,<br>
प्रतिपक्षी कह देता भूसी।<br>
चाहे अच्छे हो कृत्य भले,<br>
फिर भी होती कानाफूसी।<br>
गठबंधन होते ठगबंधन,<br>
जिनमें चलती रुसारुसी।।

# भारत के डीएनए में है प्रौद्योगिकी : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ हमारे वैज्ञानिकों ने दुनिया में अपनी धाक जमा ली है... यह हमारे स्वदेशी वैज्ञानिकों की उपलब्धि है।

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि प्रौद्योगिकी भारत के डीएनए में है और उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने तथा अन्य देशों से आगे रखने के लिए इसे और मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रधान ने कहा, ''हमें अपनी प्रौद्योगिकी को और मज़बूत करना होगा। आज मैं आपको दो उदाहरण देता हूं। अगर भारत का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) मजबूत न होते, तो चंद्रयान सफल नहीं हो पाता। इसमें विदेश से किसी भी तरह की मदद नहीं मिली है। हमारे वैज्ञानिकों ने दुनिया में अपनी धाक जमा ली है... यह हमारे स्वदेशी वैज्ञानिकों की उपलब्धि है।'' उन्होंने कहा, ''दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था में प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने 2014 में डिजिटल इंडिया की बात की थी। उनके इस बयान पर कई लोगों ने टिप्पणियां की थीं। अब, दुनिया में अगर 100 रुपये का डिजिटल लेनदेन होता है, तो उसमें से 48 रुपये भारत में होते हैं।'' प्रधान ने यह टिप्पणी यहां तीनों सेनाओं की शैक्षणिक प्रौद्योगिकी संगोष्ठी में की। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा, ''भारत के डीएनए में प्रौद्योगिकी बसती है। यही वजह है कि भारत में इंटरनेट की पहुंच दूसरे देशों के मुकाबले ज़्यादा है। यही वजह है कि भारत में स्मार्टफोन इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या ज़्यादा है।''

# सिनेमा केवल उद्योग नहीं, समाज को जागृत करने का सशक्त माध्यम भी : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कला और सिनेमा जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं की जन्मजात प्रतिभा के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं। सिनेमा से जुड़ी ऐसी उत्कृष्ट महिला प्रतिभाएं उचित सम्मान की हकदार हैं।

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में फिल्मकारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिनेमा केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि समाज और देश को जागृत करने का माध्यम भी है। राष्ट्रपति ने कहा कि सिनेमा नागरिकों को अधिक संवेदनशील बनाने में भूमिका निभाता है।

मुर्मू ने कहा, ''सिनेमा सिर्फ एक उद्योग नहीं है; यह समाज और राष्ट्र को जागृत करने और नागरिकों को अधिक संवेदनशील बनाने का एक सशक्त माध्यम भी है। किसी फिल्म के लिए लोकप्रियता अच्छी बात हो सकती है, लेकिन जनहित, खासकर युवा पीढ़ी के हित का ध्यान रखना उससे भी बड़ा गुण है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय सिनेमा कई अलग-अलग भाषाओं, बोलियों, क्षेत्रों और स्थानीय परिवेशों में आगे बढ़ रहा है, और महिलाओं पर केंद्रित अच्छा सिनेमा भी बन रहा है और उसे सराहा जा रहा है। मुर्मू ने कहा, ''...यह एक बहुत अच्छा सामाजिक संदेश है। आज पुरस्कृत फिल्मों में, माताओं द्वारा बच्चों के नैतिक निर्माण पर आधारित फिल्में, उन साहसी महिलाओं की कहानियां शामिल हैं जो सामाजिक वर्जनाओं का सामना करने, पारिवारिक और सामाजिक ढांचों की जटिलताओं से निपटने और पितृसत्ता के खिलाफ आवाज उठाने के लिए एकजुट होती हैं।'' उन्होंने प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाली महिला फिल्म निर्माताओं की कम संख्या पर भी टिप्पणी की। राष्ट्रपति ने कहा, ''जिस तरह शैक्षणिक संस्थानों के पुरस्कार समारोहों में बेटियों की ज्यादा संख्या एक विकसित भारत की छवि को दर्शाती है, उसी तरह फिल्म पुरस्कारों में भी यही प्रयास होना चाहिए। मेरा मानना है कि अगर महिलाओं को समान अवसर दिए जाएं, तो वे असाधारण प्रदर्शन कर सकती हैं।'' उन्होंने कहा, ''कला और सिनेमा जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं की जन्मजात प्रतिभा के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं। सिनेमा से जुड़ी ऐसी उत्कृष्ट महिला प्रतिभाएं उचित सम्मान की हकदार हैं। जूरी के केंद्रीय और क्षेत्रीय पैनल में भी महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व होना चाहिए।''

मुर्मू ने अपने भाषण में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेताओं और इस वर्ष दादा साहब फाल्के पुरस्कार के विजेता मलयालम अभिनेता मोहनलाल को भी बधाई दी। उन्होंने मोहनलाल को 'संपूर्ण अभिनेता' की संज्ञा देते हुए उनकी प्रशंसा की।

मुर्मू ने कहा, ''उन्होंने (मोहनलाल ने) कोमल से कोमल और कठोर से कठोर भावनाओं को सहजता से प्रस्तुत किया है... मुझे यह जानकर सुखद आश्चर्य हुआ कि उन्होंने महाभारत के कर्ण पर आधारित एक लंबे संस्कृत नाटक में कर्ण की भूमिका निभाई है।

# आयुष्मान भारत योजना सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के मामले में क्रांतिकारी साबित हुई : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 2018 में आज ही के दिन शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में क्रांतिकारी साबित हुई है और इसके लाभार्थियों के लिए वित्तीय सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित हुआ है।

इस चिकित्सा बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपए का वार्षिक स्वास्थ्य कवर प्रदान किया जाता है और गरीब व 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, आज आयुष्मान भारत के सात वर्ष पूरे हो गए हैं। यह एक ऐसी पहल थी जिसमें भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगाकर लोगों के लिए उच्च गुणवत्ता के साथ-साथ किफायती स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसकी बदौलत, भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में क्रांति देख रहा है। इसने वित्तीय सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया है। उन्होंने आगे कहा, भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाना, करुणा और तकनीक मानव सशक्तिकरण को आगे बढ़ा सकते हैं।

मोदी ने एक आधिकारिक 'एक्स' हैंडल को टैग किया है, जिसने एक पोस्ट में बताया है कि सरकार की इस प्रमुख कल्याणकारी पहल में 55 करोड़ से ज्यादा नागरिक शामिल हैं और यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है।

पोस्ट में कहा गया है कि अब तक 42 करोड़ से ज़्यादा आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। पोस्ट में कहा गया है कि इससे सरकार का स्वास्थ्य व्यय 29 प्रतिशत से बढ़कर 48 प्रतिशत हो गया है, जबकि रोगी का खर्च 63 प्रतिशत से घटकर 39 प्रतिशत रह गया है।

पोस्ट में कहा गया है, लाखों परिवार बीमारी के दौरान आर्थिक तंगी से बाहर आ गए हैं।

**सत्येन्द्र जैन बेनामी मामला**

## ईडी ने 7.44 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि उसने धन शोधन जांच के तहत आम आदमी पार्टी (आप) नेता एवं दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के लाभकारी स्वामित्व व नियंत्रण वाली कंपनियों की करीब 7.44 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां कुर्क की हैं। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने अचल संपत्तियों को कुर्क करने के लिए 15 सितंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया है। यह जांच जैन, उनकी पत्नी पूनम जैन और अन्य के खिलाफ बेनामी संपत्ति रखने के एक कथित मामले और आय से अधिक संपत्ति रखने के एक अलग मामले से संबंधित है। धन शोधन का यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी और आरोपपत्र से उत्पन्न हुआ है। जैन पर 14 फरवरी, 2015 से 31 मई, 2017 के बीच दिल्ली सरकार में मंत्री रहते हुए आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।

# रूस व यूक्रेन ने एक-दूसरे पर ड्रोन, मिसाइल और बम दागे

## जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र से मांगी मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कीव/एपी।** रूस ने दावा किया कि उसने यूक्रेन की तरफ से मॉस्को की ओर आ रहे तीन दर्जन ड्रोन को मार गिराया। वहीं यूक्रेन ने कहा कि रूसी मिसाइलों, ड्रोन और बमबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई।

इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की संयुक्त राष्ट्र में विश्व नेताओं की मंगलवार को प्रस्तावित बैठक में अपने देश के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की कोशिशों में लगे हुए हैं। तीन वर्षों से अधिक समय से रूस की बड़ी और सुसज्जित सेना से जूझ रही यूक्रेन की सेना के जमीनी मोर्चे पर हालत तनावपूर्ण है। ऐसे में राष्ट्रपति जेलेंस्की इस सप्ताह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने आए विश्व नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के जनवरी में अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद उनके द्वारा रूस-यूक्रेन के बीच शुरू किए गए शांति प्रयास ठप पड़ते हुए नजर आ रहे हैं।

जेलेंस्की ने बताया कि उन्होंने सोमवार देर रात न्यूयॉर्क में ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग से मुलाकात की। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने टेलीग्राम पर बताया कि केलॉग और जेलेंस्की ने ड्रोन निर्माण और यूक्रेन द्वारा अमेरिकी हथियारों की खरीद पर सहयोग समझौतों पर चर्चा की।

यूरोपीय देशों के नेताओं ने जेलेंस्की के कूटनीतिक प्रयासों का समर्थन किया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र की बैठक में गाजा में हो रहे इजराइल और हमास के बीच युद्ध पर विशेष तौर पर चर्चा किए जाने की संभावना है। कुछ यूरोपीय देश इस संभावना से चिंतित हैं कि रूसी उकसावे के कारण युद्ध यूक्रेन से बाहर भी फैल सकता है।

**नाटो की रूस को चेतावनी, कहा-**

# अपने हवाई क्षेत्र की रक्षा के लिए सभी साधनों का इस्तेमाल करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**ब्रसेल्स/एपी।** उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने इस महीने की शुरुआत में पोलैंड के ऊपर रूसी ड्रोन को मार गिराए जाने और पिछले सप्ताह एस्टोनिया में रूसी लड़ाकू विमानों की घुसपैठ की जानकारी मिलने के बाद मंगलवार को कहा कि वह भविष्य में भी अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन रोकने के लिए सभी साधनों का उपयोग करेगा।

यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से नाटो और मॉस्को के बीच 10 सितंबर को पोलैंड में पहली बार आमना-सामना हुआ था। इस घटना ने यूरोपीय नेताओं को झकझोर दिया था और यह सवाल उठने लगा था कि नाटो रूस के बढ़ते आक्रमण खिलाफ कितना तैयार है।

एस्टोनिया ने कहा था कि तीन रूसी लड़ाकू विमानों ने शुक्रवार को बिना अनुमति के 12 मिनट तक उसके हवाई क्षेत्र में उड़ान भरी, हालांकि रूस ने इस आरोप को खारिज कर दिया।

पश्चिमी देशों के 32 सदस्य सैन्य संगठन नाटो ने कहा, हम अपने पसंदीदा तरीके, समय और क्षेत्र में प्रतिक्रिया देना जारी रखेंगे नाटो ने अपनी स्थापना से जुड़ी संधि के अनुच्छेद पांच का जिक्र किया, जिसके तहत संगठन के किसी सदस्य एक सदस्य पर हुए हमले को सभी सदस्यों पर हमला माना जाएगा।

## जीएसटी में कटौती का नहीं मिल रहा लाभ तो टोल फ्री नंबर पर करें शिकायत

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने मंगलवार को कहा कि अगर उपभोक्ताओं को जीएसटी दर में कटौती का लाभ नहीं मिल रहा है, वे टोल फ्री नंबर 1915 पर या व्हाट्सएप नंबर 8800001915 के जरिये अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) में कहा कि पीड़ित ग्राहक राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर टोल फ्री नंबर 1915 पर कॉल कर सकते हैं या 8800001915 पर व्हाट्सएप कर सकते हैं।

# आंध्र प्रदेश में पैसों के लिए 'सिजेरियन प्रसव' को बढ़ावा दे रहे 'लालची' चिकित्सक : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अमरावती/भाषा।** आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि देश में सबसे अधिक 'सिजेरियन प्रसव' आंध्र प्रदेश में होते हैं, जिसकी एक खास वजह यह है कि लालची चिकित्सक पैसों के लिए इस प्रक्रिया को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में होने वाले प्रसवों में से 56.62 प्रतिशत में 'सिजेरियन' होता है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 90 प्रतिशत 'सिजेरियन प्रसव' निजी अस्पतालों में हो रहे हैं।

नायडू ने कहा, सिजेरियन के माध्यम से 56.62 प्रतिशत प्रसव। यह एक खतरनाक चलन है। ये चिकित्सक भी, हर जगह, पैसे के लिए काम करते हैं। सुरक्षित प्रसव कराने के बजाय वे सिजेरियन प्रसव को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य देश में सिजेरियन ऑपरेशनों में सबसे आगे है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव को चिकित्सकों को यह बताने के लिए कहा कि सरकार इस चलन को स्वीकार नहीं करती और उन्हें अभी से सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

# भारत को बेरोजगारी और 'वोट चोरी' से मुक्त कराना सबसे बड़ी देशभक्ति : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि बेरोजगारी और वोट चोरी का सीधा संबंध है तथा अब भारत को अब इन दोनों से मुक्त कराना ही अब सबसे बड़ी देशभक्ति है।

राहुल ने बिहार के कुछ युवाओं पर लाठीचार्ज और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सैर करने से संबंधित अलग-अलग वीडियो 'एक्स' पर साझा किए और कहा कि युवा समझ चुका है कि असली लड़ाई सिर्फ नौकरियों की नहीं, बल्कि वोट चोरी के खिलाफ है, क्योंकि जब तक चुनाव चोरी होते रहेंगे, तब तक बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार भी बढ़ते रहेंगे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत में युवाओं की सबसे बड़ी समस्या बेरोज़गारी है - और इसका सीधा रिश्ता वोट चोरी से है। जब कोई सरकार जनता का विश्वास जीतकर सत्ता में आती है, तो उसका पहला कर्तव्य होता है युवाओं को रोज़गार और अवसर देना। उन्होंने दावा किया कि भाजपा चुनाव ईमानदारी से नहीं जीतती और वह वोट चोरी और संस्थाओं को कैद कर के सत्ता में बनी रहती है। उन्होंने कहा, इसीलिए बेरोज़गारी 45 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी है। इसीलिए नौकरियां घट रही हैं, भर्ती प्रक्रियाएं ध्वस्त हो गई हैं और युवाओं का भविष्य अंधेरे में धकेला जा रहा है। इसीलिए हर परीक्षा पेपर लीक और हर भर्ती भ्रष्टाचार की कहानियों से जुड़ी रहती है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, देश का युवा मेहनत करता है, सपने देखता है और अपने भविष्य के लिए संघर्ष करता है। लेकिन मोदी जी सिर्फ अपने पीआर, 'सेलिब्रिटीज़' से अपना गुणगान करवाने और अरबपतियों के मुनाफे में व्यस्त हैं।

# खोखले शब्दों से भरा है संयुक्त राष्ट : ट्रंप

**संयुक्त राष्ट्र/एपी।** संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों और 150 से अधिक वैश्विक नेताओं के सामने, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को इस अंतरराष्ट्रीय संगठन की कड़ी आलोचना की।

ट्रंप ने कहा कि जिन विभिन्न युद्धों को उन्होंने रुकवाया है, उनके बारे में संयुक्त राष्ट्र ने उनसे संपर्क नहीं किया। ट्रंप ने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि संयुक्त राष्ट्र में अपार क्षमता है, लेकिन यह उस क्षमता के आसपास भी नहीं पहुंच पा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''अधिकतर मामलों में, कम से कम अभी तो, वे बस एक बेहद कड़े शब्दों वाला पत्र लिखते हैं और फिर उस पर अमल नहीं करते। ये खोखले शब्द हैं और खोखले शब्दों से युद्ध हल नहीं होते।''

ट्रंप ने दुनिया भर के देशों के प्रतिनिधियों को यह बताने में जरा भी समय बर्बाद नहीं किया कि अमेरिका ''दुनिया में सबसे ज्यादा आकर्षण वाला देश है'', और कोई भी देश उसके आसपास भी नहीं है। उन्होंने बाद में कहा कि अमेरिका ''व्यापार करने के लिए दुनिया का सबसे अच्छा देश'' है। ट्रंप ने दावा किया कि अब अर्थव्यवस्था उनके पहले कार्यकाल की तुलना में 'बड़ी और बेहतर' है, जिसे उन्होंने 'दुनिया के इतिहास में सबसे महान' बताया।

# भारत अगले तीन साल में वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक में शीर्ष 10 देशों में शामिल होगा: शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गांधीनगर/भाषा।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पिछले दशक में वैश्विक नवोन्मेषण सूचकांक में भारत की रैंकिंग 91 से बढ़कर 38 हो गई है। देश अगले तीन साल में शीर्ष 10 में जगह बना लेगा।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए 'स्टार्टअप इंडिया' अभियान के परिणाम दिखने लगे हैं और देश अब वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र है। इसने देश के युवाओं को नौकरी चाहने वालों से नौकरी देने वाला बना दिया है। शाह ने यहां गुजरात सरकार के 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव' के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। उन्होंने कहा, '' हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक की घोषणा की गई। 2015 में इस सूचकांक में हमारी रैंकिंग 91 थी लेकिन 2025 में हम 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यह हमारे लोगों की क्षमता को दर्शाता है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि हमारे युवाओं के प्रदर्शन एवं क्षमताओं को देखते हुए देश अगले तीन वर्ष में शीर्ष 10 देशों में शामिल होगा और दुनिया में नवोन्मेषण के क्षेत्र में अग्रणी होगा।''

'स्टार्टअप इंडिया' योजना भारत सरकार की प्रमुख पहल है, जिसे 2016 में नवाचार को बढ़ावा देने और एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए शुरू किया गया था। इसका मकसद भारत को नौकरी चाहने वाले देश से नौकरियों का सृजन करने वाले देश में बदलना है। शाह ने कहा, '' 2014 में हमारे पास सिर्फ 500 स्टार्टअप थे। आज हमारे पास डीपीआईआईटी (उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग) के साथ पंजीकृत 1.92 लाख स्टार्टअप हैं। 2014 में हमारे पास चार यूनिकॉर्न थे और अब हमारे पास 120 ऐसे प्रतिष्ठान हैं जिनका संयुक्त बाजार मूल्य 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है।'' उन्होंने कहा कि आज कुल स्टार्टअप में से 52% छोटे व मझोले शहरों में स्थित हैं।

## आत्मनिर्भर भारत देश की वृद्धि की कुंजी, 'जीएसटी 2.0' बड़ा सुधार: पी वी एन माधव

**अमरावती/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आंध्र प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पी वी एन माधव ने मंगलवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान देश के स्वावलंबन के लिए अहम है और उन्होंने 'जीएसटी 2.0' को एक ऐतिहासिक सुधार बताया।

माधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी आंदोलन को पुनर्जीवित करने और लोगों से आर्थिक, रक्षा और विदेश नीतियों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम बढ़ाने का आग्रह किया है। हाल ही में जीएसटी परिषद ने वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली में व्यापक बदलाव को मंजूरी दी है, जिसके तहत बालों में लगाने वाले तेल से लेकर कॉर्न फ्लेक्स और व्यक्तिगत स्वास्थ्य व जीवन बीमा सहित सामान्य उपयोग की कई वस्तुओं पर कर घटाया गया है।

जीएसटी दरों में सुधार 22 सितंबर से प्रभावी हुआ। माधव ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान भारत के आत्मनिर्भर बनने के लिए महत्वपूर्ण है और 'जीएसटी 2.0' एक ऐतिहासिक सुधार है।''

उन्होंने कहा, ''भारत को अपनी ताकत पर भरोसा कर आर्थिक हितों की रक्षा करने की आवश्यकता है। हम राज्यभर में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के बारे में जागरूकता फैलाएंगे।'' उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान बृहस्पतिवार से शुरू होगा और दक्षिणी राज्य के हर घर तक इसका संदेश पहुंचाया जाएगा।

## बड़े जहाजों के निर्माण को मिला अवसंरचना क्षेत्र का दर्जा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देने के लिए अब बड़े जहाजों के निर्माण एवं संचालन को अवसंरचना क्षेत्र का दर्जा दे दिया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से एक गजट अधिसूचना के मुताबिक, अब भारतीय स्वामित्व और ध्वज वाले 10,000 टन या उससे अधिक वहन क्षमता वाले वाणिज्यिक जहाजों को अवसंरचना क्षेत्र का दर्जा मिलेगा। इसके अलावा, भारत में निर्मित 1,500 टन या उससे अधिक क्षमता के भारतीय स्वामित्व वाले जहाजों को भी यह सुविधा दी जाएगी। वित्त मंत्रालय ने 19 सितंबर को जारी अधिसूचना में कहा कि बड़े जहाजों को 'ढांचागत उप-क्षेत्रों की मानकीकृत सूची' (एचएमएल) के तहत परिवहन एवं लॉजिस्टिक श्रेणी में नए उप-क्षेत्र के रूप में शामिल किया गया है।

सरकार का यह निर्णय वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश बजट में की गई घोषणा के अनुरूप है। ढांचागत क्षेत्र का दर्जा मिलने से जहाज उद्योग को कई लाभ मिलेंगे। अब उनके लिए विदेशों से आसान वित्तपोषण, कर-मुक्त बॉन्ड के जरिये धन जुटाने की सुविधा, कर छूट और आईआईएफसीएल जैसे समर्पित ऋणदाताओं एवं ऋण कोषों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

भारत ने 2016 में 'जहाज निर्माण स्थल' को अवसंरचना क्षेत्र की सूची में जगह दी थी। फिलहाल इस सूची में पांच मुख्य क्षेत्र और 38 उप-क्षेत्र हैं। मुख्य क्षेत्रों में परिवहन, ऊर्जा, जल एवं स्वच्छता, संचार और सामाजिक एवं वाणिज्यिक अवसंरचना शामिल हैं। मेरिटाइम इंडिया विजन-2030 के मुताबिक, भारतीय जहाजरानी कंपनियों को जरूरी वित्त के अभाव में अपनी वहन क्षमता बढ़ाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बजट 2025-26 में 25,000 करोड़ रुपए का समुद्री-वहन विकास कोष स्थापित करने की घोषणा भी की गई थी, जो जहाज खरीद के वित्तपोषण में सीधे मदद करेगा। सरकार का लक्ष्य है कि 2047 तक भारतीय ध्वज वाले जहाजों का वैश्विक मालढुलाई में हिस्सा 20 प्रतिशत तक बढ़ जाए। इस कोष के जरिये वर्ष 2030 तक जहाजरानी क्षेत्र में लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश आने की उम्मीद है।

## कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष ने भीड़ नियंत्रण से जुड़े विधेयक की समीक्षा के लिए समिति गठित की

**बेंगलूरु।** कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू टी खादर ने 'कर्नाटक भीड़ नियंत्रण (कार्यक्रमों एवं सभा स्थल पर भीड़ प्रबंधन) विधेयक, 2025' की समीक्षा करने के लिए गृह मंत्री जी. परमेश्वर के नेतृत्व में सदन की 11 सदस्यीय समिति गठित की है। पिछले महीने विधानमंडल सत्र के दौरान, विपक्षी दलों ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर इस विधेयक को विस्तृत चर्चा और समीक्षा के लिए सदन की समिति को भेजने का दबाव डाला था। उन्होंने चिंता व्यक्त की थी कि प्रस्तावित कानून से विरोध प्रदर्शनों पर लगाम लग सकती है और सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजनों पर असर पड़ सकता है। सरकार ने यह विधेयक चार जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के बाद पेश किया था, जिसमें 11 लोग मारे गए थे।दंडात्मक प्रावधानों वाले इस विधेयक का उद्देश्य कार्यक्रमों और समारोहों में भीड़ को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना, सामूहिक समारोहों का प्रबंधन करना और गैरकानूनी समारोहों को रोकना है।

मंगलवार को मीडिया में जारी विधानसभा सचिवालय के 19 सितंबर के एक नोट में कहा गया है, सदन के प्रस्ताव के अनुसार, अध्यक्ष ने कर्नाटक विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम 247 के तहत विधेयक की समीक्षा करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए विधानसभा के सदस्यों की एक समिति गठित की है।

समिति में कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल, विधायक रिज़वान अरशद, श्रीनिवासैया एन, रविशंकर डी, श्रीनिवास वी. माने, प्रकाश के. कोलीवाड़, एच.डी. थमैया, वी. सुनील कुमार, एस.आर. विश्वनाथ और जी.डी. हरीश गौड़ा शामिल हैं।

## राजनाथ सिंह ने मोरक्को में किया टाटा एडवांस्ड सिस्टम लि. की विनिर्माण इकाई का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को के बरेचिड में 'व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म' के निर्माण के लिए लिए 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स' के एक विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया।

यह संयंत्र 20,000 वर्ग मीटर में फैला है तथा अफ्रीका में पहला भारतीय रक्षा विनिर्माण संयंत्र है। यह मोरक्को का भी सबसे बड़ा ऐसा संयंत्र है। मोरक्को सरकार के साथ अपने अनुबंध के तहत, 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स' 'व्हील्ड आर्मर्ड प्लेटफॉर्म' का निर्माण करेगी, जिसकी शुरुआती खेप अगले महीने आ जायेगी। यह संयंत्र निर्धारित समय से तीन महीने पहले चालू हो गया है और उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है।

उद्घाटन समारोह में मोरक्को के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लौदियी भी उपस्थित थे। 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड' ने कहा, ''यह किसी निजी भारतीय कंपनी द्वारा विदेश में स्थापित पहली रक्षा विनिर्माण इकाई है, जो रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन(डीआरडीओ) के साथ साझेदारी में उन्नत लड़ाकू वाहन प्लेटफॉर्म डिजाइन करने और उसकी आपूर्ति करने की भारत की क्षमता को रेखांकित करती है।'' कंपनी ने कहा कि इस सयंत्र ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोज़गार सृजित किए हैं, एक मजबूत आपूर्तिकर्ता पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षमताओं का निर्माण किया है और देश में उत्पाद सहयोगपरक माहौल स्थापित किया है। कंपनी ने कहा कि यह आवश्यक उप-प्रणालियों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति करने वाले समर्पित सहायक भागीदारों को भी सहायता प्रदान करता है। 'टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक, सुकरन सिंह ने कहा,''किसी निजी भारतीय रक्षा ओईएम (मूल उपकरण निर्माता) द्वारा स्थापित पहले विदेशी विनिर्माण संयंत्र के रूप में, यह भारत में डिज़ाइन की गई रक्षा प्रौद्योगिकी प्रणालियों को विदेशी मित्र देशों को उपलब्ध कराने की हमारी रणनीतिक पहल का भी प्रतीक है।'' उन्होंने कहा, ''मोरक्को में कैसाब्लांका के पास आज रक्षा कारखाने का उद्घाटन भारत-मोरक्को औद्योगिक साझेदारी में एक नया अध्याय जोड़ता है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स को इस उपलब्धि का हिस्सा बनने पर गर्व है।'' यह संयंत्र प्रारंभ में 'रॉयल मोरक्कन आर्मी' की ज़रूरतों को पूरा करेगा और इसके बाद उसका विस्तार अफ्रीका में मित्र देशों को निर्यात करने के लिए किया जाएगा।

## एच-1बी वीजा शुल्क वृद्धि से कारोबार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा: हैप्पिएस्ट माइंड्स

**नई दिल्ली/भाषा।** सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने मंगलवार को कहा कि उसके अधिकतर कर्मचारी भारत में स्थित हैं और एच-1बी वीजा शुल्क में हाल में की गयी वृद्धि से उसके परिचालन और व्यावसायिक परिदृश्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह एच-1बी वीजा पर एकमुश्त 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाने की घोषणा की थी। यूएससीआईएस (यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज) ने स्पष्ट किया है कि यह शुल्क समयसीमा से पहले दायर किसी भी आवेदन, पहले जारी किए गए एच-1बी वीजा, नवीनीकरण आवेदनों और अमेरिका में फिर से प्रवेश करने वाले एच-1बी धारकों पर लागू नहीं होगा। हैप्पिएस्ट माइंड्स के प्रबंध निदेशक वेंकटरमन नारायणन ने कहा कि वीजा शुल्क वृद्धि का कंपनी के कारोबार पर नगण्य प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''पिछले 14 वर्षों में, हमने एक मजबूत ऑफशोर-केंद्रित डिलिवरी मॉडल तैयार किया है। जिसमें हमारे 94 प्रतिशत कर्मचारी भारत में कार्यरत हैं और हमारा लगभग 95 प्रतिशत राजस्व अमेरिका में परिचालन से बाहर से आता है। यह रणनीतिक दृष्टिकोण न केवल लागत दक्षता को बढ़ाता है, बल्कि हमें दुनिया भर में अपने ग्राहकों को लगातार उच्च-गुणवत्ता वाले डिजिटल समाधान प्रदान करने में भी सक्षम बनाता है।''

## सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन दल दशहरा उत्सव के भाग के रूप में मैसूरु में प्रदर्शन करेगा

**बेंगलूरु।** भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम को मैसूरु दशहरा महोत्सव के दौरान मैसूरु में प्रदर्शन करेंगे। वर्ष 2003 में गठित, सारंग टीम भारतीय वायु सेना की ब्रांड एंबेसडर है।

टीम ने एचएएल के स्वदेशी 'ध्रुव' हेलीकॉप्टर का संचालन करते हुए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 386 से ज़्यादा स्थानों पर 1200 से ज़्यादा शो किए हैं। टीम मैसूरु के प्रसिद्ध बन्नीमंडप मैदान में प्रस्तुति देगी। यह टीम मैसूरु के युवाओं को प्रभावित करेगी और उन्हें भारतीय सशस्त्र बलों को अपने पसंदीदा करियर में शीर्ष विकल्प के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित करेगी। टीम का प्रयास 'उत्कृष्टता के माध्यम से प्रेरणा' के आदर्श वाक्य पर खरा उतरना और देश के युवाओं को प्रेरित करना है।

## मध्यप्रदेश में गायों की हालत कुत्तों से भी बदतर हो गई है : कंप्यूटर बाबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इंदौर/भाषा।** धार्मिक नेता कंप्यूटर बाबा ने गोरक्षा के मुद्दे को लेकर मध्यप्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को दावा किया कि राज्य में गायों की स्थिति कुत्तों से भी बदतर हो गई है। उन्होंने इंदौर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि यह स्थिति बड़ी विडम्बनापूर्ण है कि राज्य में 'गो माता' की स्थिति कुत्तों से भी बदतर हो गई है।

कंप्यूटर बाबा ने कहा, ''कुत्ते तो सड़क से (लोगों के घरों के) बेडरूम तक पहुंच गए हैं, पर गो माता आंगन से सड़क पर आ गई है और राज्य सरकार मूकदर्शक बन कर बैठी है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सूबे में सरकारी अनदेखी के कारण गायें सड़कों पर तड़प-तड़प कर मरने को मजबूर है।

धार्मिक नेता ने राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव से अनुरोध किया कि उन्हें गोरक्षा के मुद्दे पर संतों के प्रतिनिधिमंडल को चर्चा का समय देना चाहिए। कंप्यूटर बाबा ने बताया कि संत समुदाय अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक सात अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक 'गो माता न्याय यात्रा'' निकालेगा और हजारों गायों के साथ नर्मदापुरम से भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच करेगा। वैष्णव संप्रदाय (अपने इष्ट देव के रूप में भगवान विष्णु को पूजने वाले हिंदू मतावलम्बी) से ताल्लुक रखने वाले कंप्यूटर बाबा का असली नाम नामदेव दास त्यागी है।

उन्हें प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस की पिछली सरकारों ने अलग-अलग निकायों में शामिल करते हुए राज्य मंत्री के दर्जे से नवाजा था। ये निकाय नर्मदा, क्षिप्रा और मन्दाकिनी सरीखी नदियों की हिफाजत के साथ ही जल संरक्षण तथा स्वच्छता के विषयों पर जन जागरूकता फैलाने के लिए गठित किए गए थे। पुलिस और प्रशासन के दल ने इंदौर शहर से सटे जम्बूर्डी हप्सी गांव में सरकारी जमीन पर बने कंप्यूटर बाबा के आश्रम को अवैध बताकर आठ नवंबर 2020 को जमींदोज कर दिया था। इसके साथ ही, उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद कंप्यूटर बाबा को 19 नवंबर 2020 को जेल से रिहा किया गया था।

## शिक्षा मंत्रालय, 'अटल इनोवेशन मिशन' विकसित भारत बिल्डथॉन आयोजित करेगा: प्रधान

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि शिक्षा मंत्रालय और 'अटल इनोवेशन मिशन' स्कूली छात्रों में नवाचार, रचनात्मकता और समस्या-समाधान को प्रेरित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल, विकसित भारत बिल्डथॉन का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि बिल्डथॉन देश भर के 1.5 लाख स्कूलों के एक करोड़ से अधिक छात्रों को चार विषयों के तहत प्रारूप बनाने, डिजाइन तैयार करने और विकसित करने के लिए प्रेरित करेगा।

प्रधान ने एक प्रेस वार्ता में कहा, ''हमने देश में छठी से 12वीं कक्षा वाले सभी स्कूलों तक पहुंचने का प्रस्ताव रखा है और हम उन स्कूलों के प्रत्येक बच्चे को 2047 तक विकसित भारत के लिए विचार-मंथन का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यह विचार-मंथन चार विषयों पर आधारित होगा, अर्थात् आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी, वोकल फॉर लोकल और समृद्ध भारत।'' उन्होंने कहा, ''यह कार्यक्रम छात्रों, शिक्षकों और नवप्रवर्तकों को विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप, आत्मनिर्भर भारत के लिए समाधान बनाने के वास्ते एक साथ लाता है।''

## समावेशन के लिए सरकार के साथ ही सामाजिक संगठनों की मदद की जरुरत है : वीरेंद्र कुमार

**नई दिल्ली/भाषा।** केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने मंगलवार को कहा कि दिव्यांग बच्चों को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समावेशन अकेले सरकार द्वारा हासिल नहीं किया जा सकता, बल्कि इसके लिए सामाजिक और शैक्षिक संगठनों की मदद की जरुरत होती है।

भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी) द्वारा आयोजित सांकेतिक भाषा दिवस समारोह में मंत्री ने कहा कि भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) को मजबूत करने के प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कुमार ने कहा, ''दिव्यांग बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें बस अवसरों की ज़रूरत है।'' मंत्री ने आईएसएलआरटीसी द्वारा किए गए कार्यों का जिक्र किया, जिसमें 10,000 शब्दों का आईएसएल शब्दकोश तैयार करना, 2,300 से अधिक सांकेतिक भाषा वीडियो तैयार करना, तथा शिक्षकों और दुभाषियों को प्रशिक्षित करने के लिए नये डिप्लोमा और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की शुरूआत करना शामिल है।

## केंद्र ने उत्तर प्रदेश, गुजरात में प्रमुख खरीफ दलहनों और तिलहनों की खरीद को मंजूरी दी

**नई दिल्ली/भाषा।** कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस वर्ष उत्तर प्रदेश और गुजरात से प्रमुख खरीफ दलहनों और तिलहनों की खरीद को मंजूरी दे दी। इस संबंध में निर्णय क्रमशः उप्र और गुजरात के कृषि मंत्रियों सूर्य प्रताप शाही और राघवजी पटेल के साथ एक वर्चुअल बैठक में लिया गया। सरकारी बयान में कहा है कि बैठक में, केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में लगभग 2.27 लाख टन उड़द (काला चना), 1.13 लाख टन अरहर, 1,983 टन मूंग, 30,410 टन तिल और 99,438 टन मूंगफली की खरीद पर सहमति व्यक्त की। गुजरात में, केंद्र ने 47,780 टन उड़द, 4,415 टन मूंग, 1.09 लाख टन सोयाबीन और 12.62 लाख टन मूंगफली खरीदने पर सहमति जताई।

## हिन्दुस्तानी आवाम : मोहमद वेंपली अमानुल्ला हिन्दुस्तान आवामी मोर्चा के बने नए राष्ट्रीय सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु/दक्षिण भारत।** हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव ने जानकारी दी कि बेंगलूरु के मोहमद वेंपली अमानुल्ला को हिन्दुस्तान आवामी मोर्चा के अगले कार्यकाल के नए राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। अमानुल्ला जो विकलांग होते हुए भी समाज तथा देश हित में कई सेवाएं प्रदान कर रहे है, वो कई मंदिरों तथा मस्जिदों में कार्यों तथा निर्माण के कार्यों में, बाढ़ राहत कार्यों में सेवाएं प्रदान कर चुके हैं। अनेक भाषा के जानकार मोहम्मद वेंपली एनआईडीसीसी के दक्षिण भारत के चेयरमैन हैं तथा कई कम्पनियों के डायरेक्टर है। पूर्व में राष्ट्रीय लोक जन शक्ति पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रह चुके है।

## कांग्रेस को यदि लगता है कि लोग खुश हैं तो वह जीएसटी सुधारों का श्रेय लेने को स्वतंत्र है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के नवीनतम सुधारों से लोगों को वस्तुओं की कीमतों में कमी के साथ काफी राहत मिली है।

भाजपा ने कांग्रेस की आलोचना को लेकर उस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी पार्टी लगातार मांगें उठाती रहती है क्योंकि वह जानती है कि केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही उन्हें पूरा कर सकते हैं, यदि मांगें जनहित में हों। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर राज्यों वाली जीएसटी परिषद द्वारा जीएसटी दर में कटौती संबंधी निर्णय का श्रेय लेने का आरोप लगाया है।

इस पर, भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि अगर विपक्षी दल को लगता है कि लोग सुधारों से खुश हैं तो वे प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हुए बैनर और होर्डिंग लगाकर इसका श्रेय लेने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती लागू होने से पूरे देश में ''उत्सव का माहौल'' है और कार, बाइक, इलेक्ट्रॉनिक सामान और दवाइयों सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आयी है। उन्होंने मीडिया की खबरों और मंत्रियों समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नेताओं को सोमवार को विभिन्न बाजारों के दौरे के दौरान लोगों और दुकानदारों से मिली ''प्रतिक्रिया'' का हवाला देते हुए यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''लोग खुश हैं।'' कांग्रेस द्वारा नवीनतम जीएसटी सुधारों को सीमित, अपर्याप्त और बहुत देर से बताये जाने और सरकार से विभिन्न अन्य मुद्दों पर ध्यान देने के लिए कहने पर, पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में रहने के दौरान 75 वर्षों तक 17 प्रकार के कर लगाये और अपने शासन के दौरान लोगों को राहत प्रदान करने के लिए प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा, ''वह (कांग्रेस) 'एक राष्ट्र, एक कर' (व्यवस्था) नहीं ला सकी। जीएसटी भाजपा के सत्ता में आने के बाद ही वास्तविकता बन सका। पात्रा ने कहा, कांग्रेस भी हमसे मांग करती है। पहलगाम (आतंकी हमले) के बाद उसने सख्त कार्रवाई की मांग की थी...उन्हें पता है कि सिर्फ यही सरकार सख्त कार्रवाई करेगी...वे मांग करते रह सकते हैं। हमें कोई आपत्ति नहीं है। मोदी जी उनकी सभी मांगें पूरी करेंगे जो जनहित में हैं। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर नवीनतम जीएसटी सुधारों का अकेले श्रेय लेने का आरोप लगाने के बारे में पूछे जाने पर, पात्रा ने कहा, वे भी (जीएसटी सुधारों का) श्रेय लेना चाहते हैं? वे ले सकते हैं। हमने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, जयराम रमेश या कांग्रेस को श्रेय लेने से नहीं रोका।

## त्योहारी नौकरियों को स्थायी रोजगार का एक अवसर मानते हैं लोग : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** त्योहारी मौसम में सृजित होने वाले अस्थायी रोजगार में लगे प्रत्येक तीन में से दो व्यक्ति इन अस्थायी नौकरियों को सिर्फ अतिरिक्त आय का साधन नहीं बल्कि पूर्णकालिक रोजगार के एक अवसर के रूप में भी देखते हैं। यह जानकारी इनडीड की एक रिपोर्ट ने दी है। नौकरी तलाश एवं भर्ती के ऑनलाइन मंच इनडीड ने अप्रैल से सितंबर, 2025 के बीच किए गए सर्वेक्षण के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नौकरी की तलाश में लगे दो-तिहाई लोग सक्रिय रूप से पूर्णकालिक रोजगार की तलाश में हैं और वे त्योहारी मौसम में पैदा होने वाले अस्थायी रोजगार को टिकाऊ करियर के संभावित प्रवेश-द्वार के रूप में ही देखते हैं। हालांकि, नियोक्ताओं और कर्मचारियों की सोच के बीच अंतर दिख रहा है। सर्वे में शामिल 53 प्रतिशत नियोक्ताओं ने कहा कि तीन में से चार त्योहारी भर्तियां अस्थायी अनुबंध पर ही होती हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में सात प्रतिशत अधिक है। नौकरी की तलाश में लगे करीब 69 प्रतिशत लोगों ने वित्तीय स्थिरता और नियमित वेतन को सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया जबकि 37 प्रतिशत ने भविष्य निधि जैसे दीर्घकालिक लाभ में रुचि दिखाई। केवल सात प्रतिशत लोगों को ही असल में त्योहारी बोनस की परवाह थी और सिर्फ पांच प्रतिशत ने भुगतान के साथ अवकाश को अहमियत दी। हालांकि, एक खास बात यह रही कि 43 प्रतिशत नियोक्ता पिछले साल की तुलना में अधिक सक्रिय रूप से भर्ती कर रहे हैं। इनमें ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक, खुदरा और आतिथ्य क्षेत्र शामिल हैं।

# दक्षिण रेलवे में रेलवे बोर्ड के सदस्य की समीक्षा बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** रेलवे बोर्ड के सदस्य (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) हितेंद्र मल्होत्रा ने 23 सितंबर को दक्षिणी रेलवे का दौरा किया।

उन्होंने दक्षिणी रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह, चेन्नई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक शैलेंद्र सिंह, प्रमुख विभागाध्यक्षों और दक्षिणी रेलवे मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान, हितेंद्र मल्होत्रा ने परिचालन दक्षता के विभिन्न पहलुओं, जैसे समय की पाबंदी, रेल संचालन और टर्मिनल प्रबंधन, की समीक्षा की। उन्होंने माल लदान, पार्सल व्यवसाय और यात्री यातायात के व्यावसायिक विकास, सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों और पहलों पर भी चर्चा की। रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता, सफाई और अन्य सुविधाओं सहित यात्री सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। सदस्य संचालन एवं व्यवसाय विकास ने परिचालन दक्षता में सुधार, यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और माल ढुलाई बढ़ाने पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने व्यवसाय विकास को गति देने और ग्राहक संतुष्टि में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के महत्व पर भी बल दिया।

# सेंगोट्टैयन में पलानीस्वामी का जोरदार स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**इरोड।** अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव के. पलानीस्वामी का मंगलवार को वरिष्ठ नेता सेंगोट्टैयन के गृहनगर गोबीचेट्टीपलयम में पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। सेंगोट्टैयन को हाल ही में पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया था क्योंकि उन्होंने निष्कासित नेताओं और गुटों को एकजुट करने की बात कही थी।

अन्नाद्रमुक सुप्रीमो पार्टी की एक प्रचार रैली में भाग लेने के लिए नीलगिरि जा रहे थे, जहां उनका गोबीचेट्टिपलयम बस स्टैंड पर स्वागत किया गया। सेंगोट्टैयन का गढ़ माने जाने वाले गोबीचेट्टीपलयम में यह स्वागत समारोह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ ही सप्ताह पहले पूर्व मंत्री को पलानीस्वामी ने पार्टी के राज्य संगठन सचिव और इरोड ग्रामीण पश्चिम जिला सचिव पद से हटा दिया था क्योंकि उन्होंने पार्टी से हटाए गए सभी लोगों को वापस लेने की मांग की थी।

विवाद शुरू होने के बाद से यह पलानीस्वामी का पश्चिमी तमिलनाडु के इस शहर का पहला दौरा है। जैसे ही पलानीस्वामी गोबीचेट्टीपलयम बस स्टैंड के पास अपनी कार से बाहर निकले पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके समर्थन में नारे लगाए और उन्हें गुलदस्ता और शॉल भेंट किए।

## छात्रावास में सीनियर्स ने आईटीआई छात्र की रैगिंग' की, तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

**मदुरै।** तमिलनाडु के मदुरै स्थित सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पढ़ाई कर रहे एक छात्र के साथ उसके वरिष्ठ छात्रों ने कथित तौर पर रैगिंग की।

इस घटना का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में यहां के निकट चेकानुरानी स्थित छात्रावास में छात्र के तीन वरिष्ठ छात्र कथित तौर पर उसके कपड़े उतारते और उसे चप्पल से पीटते हुए नजर आ रहे हैं। घटना के बाद पीड़ित के माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि अपराध में शामिल तीन छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है।'' सूत्रों ने बताया कि हॉस्टल वार्डन को भी आधिकारिक जांच तक निलंबित कर दिया गया है।

# जीएसटी में कटौती की जानकारी के लिए जागरूकता जरूरी : वनाती श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोयम्बटूर।** यहां कोयंबटूर जन सेवा केंद्र, पलम्मल चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन और टीईए द्वारा संयुक्त रूप से संचालित स्वयं योजना के तहत महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कक्षाएं मंगलवार से शुरू होंगी।

इस योजना के एक समारोह में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित कोयंबटूर दक्षिण विधायक वनथी श्रीनिवासन भाग लिया। उन्होंने कहा कि देश भर में, लोगों द्वारा उपयोग की जाने वाली सभी उपभोक्ता वस्तुओं और सेवाओं पर करों में उल्लेखनीय कमी आई है। इसलिए, खरीददारी और प्राप्ति में वृद्धि होने लगेगी। इससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। दुनिया भर के विभिन्न वित्तीय संस्थानों ने भविष्यवाणी की है कि जीएसटी कर में कमी के कारण भारत की अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि हमारे गरीब लोगों के लिए, चूँकि खाद्य पदार्थों पर कर कम किया गया है, इसलिए जनता को व्यापक रूप से यह बताना ज़रूरी है कि कीमतों में कितनी कमी आई है। भाजपा के सभी विधायक और सांसद अपने-अपने क्षेत्रों में दुकानों पर जाकर जागरूकता पैदा कर रहे हैं।

हम मीडिया के माध्यम से भी जनता से अनुरोध कर रहे हैं कि आपको अब तक खरीदी गई वस्तुओं की कीमत पता चल जाएगी, इसी तरह, जब आप दुकानों पर जाएँ, तो पूछें और पता करें कि कीमतों में कितनी कमी आई है। यह लाभ न केवल हमारी खरीदी गई वस्तुओं की कीमत में कमी है, बल्कि उत्पादन और क्रय शक्ति में भी वृद्धि है। इससे पूरा देश विकास की ओर अग्रसर हो सकता है। जीएसटी लागू होने के बाद सरकार बनाने का एकमात्र श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। देश का टैक्स सबके विकास के लिए काम कर रहा है। इसके बाद, उन्होंने लोगों की हर तरह से मदद करने के लिए एक बड़ा टैक्स सुधार लाया है। अगर हम कोयंबटूर ज़िले के कपड़ा क्षेत्र को ही लें, चाहे पावरलूम उत्पाद हों जो बेचे जा सकते हैं, निटवेअर, सब पर टैक्स 5 प्रतिशत हो गया है। टी-शर्ट से लेकर साड़ियों तक, टैक्स 5 प्रतिशत हो गया है। इससे दिवाली पर साड़ियाँ खरीदने वाली महिलाएँ ज़्यादा कपड़े खरीद सकती हैं क्योंकि दाम कम हो गए हैं।

## मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई दिल्ली में 23 सितम्बर को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रविकुमार ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार मुलाकात की।

# तमिलनाडु में 15,000 करोड़ रुपये का शिपयार्ड स्थापित करेगी सीएसएल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली।** कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) अपने दक्षिण कोरियाई साझेदार के सहयोग से तमिलनाडु में एक शिपयार्ड की स्थापना के लिए करीब 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि पहले चरण में इन नई (ग्रीनफील्ड) परियोजना से करीब 10,000 नौकरियों का सृजन होने की उम्मीद है। इनमें 4,000 प्रत्यक्ष और 6,000 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर शामिल होंगे। इसमें एक आधुनिक जहाज मरम्मत सुविधा भी शामिल हो सकती है।

सीएसएल ने जहाज विनिर्माण संकुल विकसित करने के भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप तमिलनाडु सरकार की नोडल एजेंसी 'गाइडेंस' के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। सीएसएल ने जहाज विनिर्माण में दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग के लिए एचडी कोरिया शिपबिल्डिंग एंड ऑफशोर इंजीनियरिंग (एचडी केएसओई) के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

बयान में कहा गया कि इस साझेदारी का उद्देश्य सीएसएल की विरासत, बुनियादी ढांचे और घरेलू विशेषज्ञता को एचडी केएसओई की उन्नत प्रौद्योगिकी और वैश्विक अनुभव के साथ जोड़ना है। यह भारत की जहाज विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

## पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रेप्को बैंक को 17 और 18 सितंबर को गोवा में आयोजित राष्ट्रीय सहकारी बैंकिंग शिखर सम्मेलन में सहकारी बैंकों के बीच अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए फ्रंटियर्स इन को-ऑपरेटिव बैंकिंग अवार्ड्स 2025 से दो पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। बैंक को सर्वश्रेष्ठ अनुपालन परिवर्तन और सर्वश्रेष्ठ धोखाधड़ी दमन पहल का पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार रेप्को बैंक के अध्यक्ष ई. संथानम, रेप्को होम फाइनेंस लिमिटेड के अध्यक्ष सी. थंगाराजू, प्रबंध निदेशक ओ.एम. गोकुल और महाप्रबंधक बी. कन्नन ने प्राप्त किए। अध्यक्ष ई. संथानम ने बताया कि रेप्को बैंक की स्थापना भारत सरकार द्वारा वर्ष 1969 में श्रीलंका और बर्मा से आए प्रवासियों के पुनर्वास के उद्देश्य से की गई थी, जिसकी देश के दक्षिणी भागों में प्रमुख उपस्थिति है। 56 वर्षों के अस्तित्व को पार करने के बाद, बैंक भारत के सहकारी बैंकों में सर्वश्रेष्ठ बैंकों में से एक बन गया है और बैंक की 108 शाखाएँ हैं जिनका कुल कारोबार 22,500 करोड़ रुपये से अधिक है। गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में बैंक पिछले 30 वर्षों से निरंतर लाभ कमाने वाला संस्थान है और इसने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान अपने हितधारकों को 30 प्रतिशत का लाभांश घोषित किया है।

# समर्पित सेवाएँ दें और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें : बीआर नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुमला/चेन्नई।** टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष बी.आर. नायडू ने श्रीवारी सेवकों से आह्वान किया कि वे वार्षिक ब्रह्मोत्सव के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को समर्पित एवं अनुशासित सेवाएँ प्रदान करें और इस प्रकार भगवान श्री वेंकटेश्वर के दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करें। मंगलवार को तिरुमला स्थित अस्ताना मंडपम में विभिन्न राज्यों से आए सेवकों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने उनकी निःस्वार्थ भावना की सराहना की और बताया कि ब्रह्मोत्सव के दौरान भारी संख्या में आने वाले तीर्थयात्रियों की व्यवस्था में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि जब भी वे मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू से मिलते हैं, मुख्यमंत्री हमेशा श्रीवारी सेवा को और बेहतर बनाने तथा उसे सुदृढ़ करने पर बल देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि देशभर के अनेक गणमान्य व्यक्तित्व श्रीवारी सेवक के रूप में भाग लेने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं। श्रीवारी सेवा का मूलमंत्र है – मानव सेवा ही माधव सेवा है अर्थात मानवता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है।

नायडू ने यह भी कहा कि तिरुमला आने वाले प्रत्येक भक्त में स्वयं श्रीवारी का वास है और भक्तों की सेवा करना वास्तव में भगवान की सेवा करने के समान है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में आने वाले दिनों में श्रीवारी सेवा को और भी मज़बूत और बहुआयामी बनाने का आश्वासन उन्होंने दिया। उन्होंने यह भी दोहराया कि अपनी सेवा अवधि पूरी करने के बाद श्रीवारी सेवक विशेष दर्शन के हकदार हैं। इस वक्तव्य का सैकड़ों सेवकों ने तालियों के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर टीटीडी बोर्ड सदस्य नरेश कुमार, अतिरिक्त ईओ वेंकैया चौधरी, मुख्य सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी मुरलीकृष्णा, डीएफओ फणी कुमार नायडू, सीपीआरओ डॉ. टी. रवि सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में 23 सितम्बर को भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई ने तमिल अभिनेत्री राधिका सरथकुमार के निवास पर जाकर उनकी माँ दिवगंत अभिनेत्री गीता राधा के निधन पर संवेदनाएं व्यक्त की। अन्नामलाई ने दिवगंत गीता राधाको एक दृढ निश्चयी महिला बताया। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन जिया। उनके निधन पर हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की।

# गृहलक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के नाम पर जल्द ही सहकारी समिति की स्थापना की जाएगी : लक्ष्मी हेब्बालकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। महिलाएँ आत्मनिर्भरता की प्रतीक हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि पाँच गारंटी योजनाओं से राज्य में महिलाओं का जीवन बेहतर हुआ है। मंत्री मैसूर दशहरा महोत्सव के अंतर्गत जे.के. मैदान में आयोजित महिला दशहरा-2025 कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रही थीं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र जीवन प्रदान करने, कामकाजी हाथों को काम उपलब्ध कराने और महिलाओं को स्वतंत्र रूप से जीने में मदद करने के उद्देश्य से पाँच गारंटी योजनाएँ लागू की हैं। उन्होंने कहा कि ये योजनाएँ महिलाओं को ध्यान में रखकर लागू की गई हैं और करोड़ों महिलाएँ इन योजनाओं से लाभान्वित हो रही हैं। उन्होंने कहा, महिलाओं को बैंकों से उचित ऋण सुविधा नहीं मिल रही है। परिणामस्वरूप, उनके लिए आत्मनिर्भर जीवन बनाना कठिन होता जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने गृहलक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के नाम से एक सहकारी समिति शुरू करने की योजना बनाई है। इसके माध्यम से महिलाओं को ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। दशहरा का पर्व महिलाओं के स्वाभिमान, समृद्धि, धैर्य और शक्ति का प्रतीक है। नव देवी की पूजा करें। विजयादशमी उस देवी की पूजा का दिन है जो सज्जनों को दुष्टों से बचाती है। महिलाओं ने पूरी दुनिया को संस्कृति का रसपान कराया है। उन्होंने कहा कि पहले राजा राज करते थे। लेकिन अब सरकार दशहरा धूमधाम से मना रही है। आईसीडीएस के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र शुरू हुए पचास साल हो गए हैं और अब स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि एलकेजी और यूकेजी शुरू करके आंगनवाड़ी को एक कदम आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर गारंटी योजना प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुष्पा अमर नाथ, महिला दशहरा समिति के अध्यक्ष मल्लिगे वीरेश, महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक महेश बाबू, महिला दशहरा उप-समिति के उप विशेष अधिकारी सविता.बी.एम., लता मोहन, शिल्पाश्री, मंजुला मंजूनाथ, वरलक्ष्मी, शशि रेखा, मालेगौड़ा, लता जगदीश, महिला दशहरा उप-समिति के सभी सदस्य और अधिकारी और कर्मचारी महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।


यूनियन बैंक ऑफ इंडिया — Union Bank of India — भारत सरकार का उपक्रम — A Government of India undertaking

**क्षेत्रीय कार्यालय - कांचीपुरम**
नं. 46 ए, विल्लाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम-631501

**लीज पर परिसर की जरूरत**

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को शीघ्र कब्जा योग्य / तत्काल कब्जे हेतु बैंक की विशिष्टताओं के अनुसार तैयार व्यावसायिक परिसर की आवश्यकता है, जो अधिमानतः ग्राउंड फ्लोर पर हो, मुख्य सड़क के सामने हो, अच्छी दृश्यता और पर्याप्त पार्किंग स्थान के साथ हो तथा अन्य सुविधाओं से युक्त हो, ताकि **सीकाराजापुरम शाखा को स्थानांतरित** करने के लिए वैकल्पिक परिसर लीज पर लिया जा सके।

भूस्वामी को आरबीआई के विनिर्देशों के अनुसार **स्ट्रांग रूम** का निर्माण अपनी लागत पर कराना होगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट देखें। उपर्युक्त सुविधा वाले परिसर की आवश्यकता **रानीपेट जिले के सीकाराजापुरम** एवं उसके आसपास के क्षेत्र में है, और विवरण इस प्रकार हैं:

| शाखा का नाम | कार्पेट एरिया चाहिए (स्ट्रांग रूम एरिया सहित) | बोली शुरू होने की तिथि | बोली समाप्त होने की तिथि | बोली खुलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| सीकाराजापुरम शाखा (ग्रामीण) | 1200 वर्ग फीट (± 10%) | 24.09.2025 को सुबह 10:00 बजे | 09.10.2025 को दोपहर 2:00 बजे | 09.10.2025 को दोपहर 3.00 बजे |

संभावित मकानमालिक, जो स्वयं मालिक हों या मालिकों की ओर से बातचीत करने का अधिकार रखते हों, वे यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय कांचीपुरम, नं. 46 ए, विल्लाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम - 631501 से तकनीकी बोली / मूल्य बोली के प्रपत्र कार्यालय समय के दौरान प्राप्त कर सकते हैं या फिर बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in अथवा https://eprocure.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। उन्हें अपनी तकनीकी बोली और मूल्य बोली दो अलग-अलग बंद लिफाफों में प्रस्तुत करनी होंगी, जिन पर क्रमशः तकनीकी बोली और मूल्य बोली स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। इन दोनों लिफाफों को एक तीसरे बड़े लिफाफे में डालकर, उस पर स्पष्ट रूप से यह लिखा होना चाहिए : **सीकाराजापुरम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा के लिए लीज/किराए के आधार पर परिसर का प्रस्ताव। यह निविदा 09.10.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक** यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, कांचीपुरम, नं. 46 ए, विल्लाकाडी कोइल स्ट्रीट, रंगास्वामी कुलम लाइब्रेरी के सामने, कांचीपुरम - 631501 पर जमा हो जानी चाहिए। उपर्युक्त पते पर मकानमालिक या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएंगी। किसी भी दलाल या बिचौलिए को अनुमति नहीं दी जाएगी। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सरकारी / अर्द्ध-सरकारी निकायों द्वारा लीज पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई कारण बताए प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

**क्षेत्र प्रमुख**

# जीएसटी को लेकर मेघवाल ने की दुकानदारों से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। केंद्रीय क़ानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और राजस्थान के खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने 22 से 29 सितम्बर तक चल रहे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) उत्सव के तहत राजस्थान में बीकानेर जिले के लूनकरणसर में मंगलवार को दुकानदारों से मुलाकात की। मेघवाल और गोदारा दोपहर में लूनकरनसर पहुंचे, जहां उन्होंने 'घटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार' के तहत दुकानदारों से बातचीत की। कालू रोड स्थित खुदरा रेट विक्रेता विनायक भोग मसाला और भेरू इलेक्ट्रिक एंड मशीनरी स्टोर संचालकों ने जीएसटी घटाने पर केंद्र सरकार का आभार जताया। इस दौरान दुकानदारों भीवा राम, सुभाष शर्मा और गोरधन शर्मा ने बताया कि उन्होंने 22 सितम्बर से ही जीएसटी की नई दरों से सामान की बिक्री शुरू कर दी है। आमजन को इसका लाभ मिलना शुरू हो गया है, जीएसटी दरें कम होने से लोगों में खुशी का माहौल है।

# गहलोत ने शासन और जन सेवा संबंधी चिंताओं को उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को राज्य में शासन और जन सेवा के मुद्दों पर चिंता व्यक्त की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ 'अभूतपूर्व' सत्ता विरोधी लहर का जिक्र किया। भीलवाड़ा में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा, सामान्यतः सत्ता विरोधी लहर सरकार बनने के तीन साल बाद पनपती है, लेकिन इस बार लोग शुरुआत से ही खुद को अनसुना महसूस कर रहे हैं। वे पूछते हैं, 'हम कहां जाएं?' यह धारणा राज्य के लिए चिंताजनक है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अधिकारी लोगों की शिकायतों का जवाब नहीं दे रहे हैं और कई परियोजनाएं, अस्पताल और इमारतें अब तक शुरू नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा, अगर मुख्यमंत्री इन कार्यों का उद्घाटन करते हैं, तो इसका लाभ लोगों तक पहुंचेगा।

गहलोत ने बढ़ती अपराध दर, बिजली और सब्सिडी लाभों में देरी, मनरेगा और निर्माण भुगतान के रुके होने, पशु चारे की कमी से किसानों को हो रही परेशानी और भीलवाड़ा मेडिकल कॉलेज में अधूरे चिकित्सा बुनियादी ढांचे के मुद्दे को भी रेखांकित किया। कांग्रेस नेता ने मतदाता अधिकारों और चुनावी शुचिता को लेकर खतरों के प्रति आगाह किया और इस बात पर जोर दिया कि निर्वाचन आयोग को पारदर्शी प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करना चाहिए। उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि जांच में देरी एक संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने सरकार से न्याय के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। गहलोत ने स्पष्ट किया कि उनकी अपील राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में नहीं, बल्कि जनहित में थी।

# जीएसटी में बदलाव से महंगाई दर होगी कम : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने नवरात्र के अवसर पर वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) में किये गये बदलाव से महंगाई कम होगी और आमजन की खरीदारी की क्षमता में वृद्धि होगी। राठौड मंगलवार को उदयपुर में भाजपा की ओर से आयोजित व्यापारियों से संवाद कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीएसटी में इस बदलाव से देश में व्यापारियों एवं करोडों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने केन्द्र की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार और भाजपा की मोदी सरकार के बीच तुलना करते हुए कहा कि महंगाई दर में बहुत फर्क देखने को मिला है। जीएसटी लागू होने से पहले अलग-अलग प्रकार के कर लगने की वजह से व्यापारियों को परेशान होना पड़ता था, लेकिन अब एक ही कर लगने से व्यापारी आसानी से कर भर रहे हैं। इससे सभी व्यापारियों को लाभ हो रहा है। जीएसटी पर विपक्ष की ओर से लगातार उठाये जा रहे सवालों पर राठौड़ ने कहा कि विपक्ष जानता है कि जीएसटी के बाद सभी को लाभ हुआ है, लेकिन उनका काम विरोध करना है, इसलिए वे विरोध कर रहे हैं। इससे पहले राठौड ने मंडी में व्यापारियों से बातचीत करने के साथ ही सभी दुकानों पर मोदी सरकार के धन्यवाद के पर्चे स्टिकर लगाये। राठौड़ के साथ भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर, शहर जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, देहात जिला अध्यक्ष पुष्कर तेली, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, नगर निगम उपमहापौर पारस सिंघवी, पूर्व महपौर रजनी डांगी सहित कई नेता मौजूद रहे।

# मोदी दीपावली पर देंगे जोधपुरवासियों को नए एयरपोर्ट टर्मिनल की सौगात : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दीपावली पर जोधपुर नए एयरपोर्ट टर्मिनल को जोधपुरवासियों को समर्पित करेंगे। शेखावत ने मंगलवार को निर्माणाधीन एयरपोर्ट टर्मिनल का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि टर्मिनल का कार्य अंतिम चरण में है और अक्टूबर तक इसे पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। नए टर्मिनल के शुरू होने के बाद एक साथ 13 फ्लाइट्स का संचालन संभव होगा, जिससे शहर की एयर कनेक्टिविटी और भी मजबूत होगी। यात्रियों को बिजली, पानी और अन्य सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अब तक तीन बड़ी दिवाली की सौगातें दी हैं, पहली जीएसटी लागू करके, दूसरी दीयों की रोशनी से और तीसरी जोधपुर एयरपोर्ट टर्मिनल के रूप में। उन्होंने बताया कि केंद्र के आग्रह पर राज्य सरकार ने जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर और किशनगढ़ एयरपोर्ट पर रिफ्यूलिंग करने वाले विमानों पर वेट टैक्स में 26-27 प्रतिशत तक की छूट दी है। इस निर्णय से दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों की तुलना में यहां फ्यूल सस्ता होगा और इसका सीधा लाभ विमानन उद्योग को मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इस कदम से जोधपुर में एयर ट्रैफिक में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। फिलहाल, सुबह एवं शाम दिल्ली और मुंबई के लिए नियमित फ्लाइट उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न केवल नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे बल्कि जोधपुर के एलिवेटेड रोड और रिंग रोड परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे। इससे शहर के ट्रैफिक प्रबंधन में व्यापक सुधार होगा।शेखावत ने कहा कि आने वाले पांच वर्षों में भारत में एविएशन सेक्टर में बड़े विस्तार की संभावना है। उन्होंने कहा कि टाटा समूह की एयरलाइंस एयर इंडिया एक्सप्रेस नए जोधपुर एयरपोर्ट टर्मिनल से संचालन शुरू करेगी।

जैसे ही यह टर्मिनल बिल्डिंग पूरी होगी, एयर ट्रैफिक में बढ़ोतरी होगी और इसके बाद निजी कंपनियां भी यहां संचालन में रुचि दिखाएंगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल पूरे देश में एक हजार से कम विमान संचालित हो रहे हैं, लेकिन आने वाले पांच वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एविएशन उद्योग में अभूतपूर्व उछाल देखने को मिलेगा। इस दौरान करीब तीन हजार नए विमानों के लिए आवेदन किया गया है।

उन्होंने कहा कि एयर, रोड और रेल कनेक्टिविटी के साथ अब जोधपुर में नए टूरिस्ट स्पॉट विकसित किए जाएंगे, ताकि पर्यटन उद्योग को और बढ़ावा मिल सके। उनके अनुसार किसी भी विकसित देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन अहम भूमिका निभाता है और इसी दिशा में जोधपुर को नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

# आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को किया गया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव आयुष विभाग सुबीर कुमार ने कहा कि आयुर्वेदिक पद्धतियों ने हजारों वर्षों से जीवन को स्वस्थ बनाए रखा है। राज्य सरकार प्रदेश में उन्नत आयुर्वेद चिकित्सा उपलब्ध करवाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में आयुष औषधालयों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। आमजन के लिए गुणवत्तायुक्त औषधियां और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कुमार मंगलवार को जयपुर के आरआईसी में दसवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुर्वेद जन-जन के लिए, पृथ्वी के कल्याण के लिए थीम पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन की सहायता से राज्य वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2025-26 के तहत कुल 348.88 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। इसके अंतर्गत लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर के चाकसू में राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय तथा दूदू एवं बूंदी में एकीकृत आयुष चिकित्सालयों का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल 2025 से आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) में आयुष चिकित्सा के 20 पैकेज जोड़े गए हैं, जिनके अंतर्गत 79 आयुर्वेद चिकित्सालयों को एम्पैनल किया गया है।

निदेशक आयुर्वेद विभाग आनंद शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद दिवस पूर्व में तिथि के अनुसार आयोजित किया जाता था, अब इसे हर वर्ष 23 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुष्मान आरोग्य ग्राम योजना के तहत प्रारंभिक रूप से 210 गांवों का चयन किया गया है।

# मोदी की बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों के संबंध में मंगलवार को शासन सचिवालय में जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालयों, नगरीय निकायों एवं पंचायत स्तर तक प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि सभा स्थल पर आमजन के लिए पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए। सभा स्थल तक आने-जाने के लिए परिवहन व्यवस्था सुचारु रखी जाए तथा यातायात प्रबंधन ऐसा हो कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभा स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जनसुविधाओं को प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है। इस दौरान विभिन्न विकास कार्यो की सौगात राज्य को मिलेगी, इसलिए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न राजकीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि इस महत्वपूर्ण अवसर के लिए सभी तैयारियों को पूर्णता एवं समयबद्धता के साथ अंतिम रूप दिया जाए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव सहकारिता विभाग श्रीमती मंजू राजपाल, शासन सचिव कार्मिक विभाग डॉ. के. के पाठक, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव पशुपालन विभाग डॉ. समित शर्मा, शासन सचिव सामान्य प्रशासन डॉ. जोगाराम, शासन सचिव परिवहन विभाग श्रीमती शुची त्यागी, शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी विभाग श्रीमती अर्चना सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे ।

# प्रधानमंत्री के सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को साकार कर रहा है सेवा पखवाड़ा : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह एवं पशुपालन मंत्री एवं करौली जिले के प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मंगलवार को जिले में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवासीय पट्टे एवं प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत राशि स्वीकृत करवाने के प्रमाण पत्र वितरीत किये। उन्होंने क्षय रोगियों को निक्षय पोषण किट तथा गर्भवती महिलाओं को अन्नप्राशन पोषण किट वितरित की। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को अधिक से अधिक लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूलमंत्र को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविर संचालित किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि शिविरों में उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। इन शिविरों के माध्यम से सफाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाने, ब्लैक स्पॉट समाप्त करने, सड़कों, नालियों व सीवर लाइनों की मरम्मत, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को दुरुस्त करने, पार्कों व चौराहों के सौंदर्यकरण सहित अनेक जन उपयोगी कार्य किए जा रहे हैं।

# मदरसा शिक्षक को 'सेक्सटॉर्शन रैकेट' चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया

जयपुर। राजस्थान के अलवर में बांग्लादेश से जुड़े एक 'सेक्सटॉर्शन रैकेट' के तहत लोगों को ब्लैकमेल करने के आरोप में 22 वर्षीय मदरसा शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'सेक्सटॉर्शन रैकेट' के तहत कोई व्यक्ति लोगों को निजी या यौन वीडियो या तस्वीरें साझा करने के लिए कहता है और फिर उन्हें ब्लैकमेल करके पैसे मांगता है। पुलिस ने बताया कि गोठड़ा खुर्द गांव के मूल निवासी सोयव खान को 'ऑपरेशन साइबर संग्राम' के तहत धोलागढ़ देवी इलाके में उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया गया।

# मुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा में शहरी सेवा शिविरों का किया अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन को एक ही स्थान पर सरकारी सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में ग्रामीण और शहरी सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इससे अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक को राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से लोगों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की सभी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वें इन शिविरों में शामिल होकर सभी योजनाओं का भरपूर लाभ उठाएं तथा आस-पास के जरूरतमंद लोगों को भी इन शिविरों से जुड़वाने में मददगार बनें। शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर शुरू किए गए सेवा पखवाड़ा के तहत इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिवस को सेवा पखवाड़ा के तौर पर मनाने का जो संदेश दिया है, वह केवल राजनीति का नहीं बल्कि समाजसेवा का मार्ग है। उन्होंने कहा कि आज का भारत दुनिया के मानचित्र पर एक नई पहचान बना रहा है। देश आज जीडीपी ग्रोथ रेट, डिजिटल इकॉनोमी, स्टार्टअप इकोसिस्टम सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। निवेश अनुकूल नीतियों के कारण विदेशी कंपनियां भी भारत में व्यापार एवं निवेश कर रही है।

शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं बाबा भीमराव अम्बेडकर की अंत्योदय की अवधारणा को धरातल पर मूर्त रूप देने के लिए इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा हैं, जिससे अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं का फायदा मिले तथा उनका जीवन स्तर ऊपर उठें। उन्होंने कहा कि इन शिविरों से आमजन को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर जाति प्रमाण पत्र तक, आय प्रमाण पत्र से लेकर निवास प्रमाण पत्र तक सेवाएं मिल रही है। साथ ही, इन शिविरों से पेंशन, राशन कार्ड, सड़कों का मरम्मतीकरण, शहर की साफ-सफाई सहित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्य करवाएं जा रहे हैं जिससे लोगों को तत्काल राहत मिल रही है। शर्मा मंगलवार को भीलवाड़ा नगर निगम एवं नगर पालिका हमीरगढ़ में आयोजित शहरी सेवा शिविर के परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

# बीकानेर हाउस में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर/दक्षिण भारत । राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुर्वेदिक विभाग द्वारा नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में मंगलवार को 10वां आयुर्वेद दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर बीकानेर हाउस स्थित राजकीय चिकित्सालय में आयुर्वेद विभाग की प्रभारी डॉक्टर मंजीत कौर ने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आयुर्वेद दिवस पर दिए गए संदेश का वाचन किया और आयुर्वेद के प्रचार प्रसार को विश्व पटल पर स्थापित करने की उनकी मंशा को सभी के सामने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उन्होंने आयुर्वेद 2025 की थीम आयुर्वेद फॉर पीपल एंड प्लैनेट को ध्यान में रखते हुए नारी पोषण, स्वास्थ्य पखवाड़ा आदि के माध्यम से आयुर्वेद की विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगिता एवं विश्वकल्याण की भावना पर सरकार की मंशा और किए गए विशेष कार्यों की जानकारी प्रदान की।डॉ कौर ने बताया कि पूर्व में आयुर्वेद दिवस धनतेरस पर धन्वंतरि जयंती पर मनाया जाता था, पर इस वर्ष भारत सरकार, आयुष मंत्रालय के निर्णय द्वारा इसे प्रत्येक वर्ष 23 सितंबर को मनाने का निर्णय किया गया है।

# शीतकालीन प्रवास पर प्रवासी पक्षी कुरजां का खींचन में आना हुआ शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फलौदी। मंगोलिया, चीन और कजाकिस्तान से हजारों किलोमीटर का सफर तय करके अपने शीतकालीन प्रवास पर हर साल राजस्थान में फलौदी जिले के खींचन गांव में आने वाले प्रवासी पक्षी कुरजां के आने का सिलसिला शुरु हो गया है। खींचन गांव में इन प्रवासी पक्षियों का पहले जत्थे (करीब डेढ़ सौ) ने यहां तालाबों पर पड़ाव डाल दिया है। इससे पक्षी प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई हैं। इन प्रवासी पक्षियों की सेवा में लगे प्रसिद्ध पक्षी प्रेमी एवं समाजसेवी सेवाराम माली ने बताया कि विजयसागर तालाब एवं रातड़ी नाडी पर इन पक्षियों ने अपना पड़ाव डाला है। उन्होंने बताया कि खींचन में बने चुग्गा घर की अभी सफाई नहीं हो पाई है और सप्ताह भर बाद चुग्गा घर इन पक्षियों को चुग्गा डालने के लिए तैयार हो जायेगा। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले इन पक्षियों के आने से पहले यह चुग्गा घर तैयार हो जाना चाहिए था लेकिन इस पर किसी का ध्यान नहीं है।

उन्होंने कहा कि हर साल इन पक्षियों के आने का समय लगभग तय रहता है और ये सितंबर शुरु होने के साथ ही इनके आना शुरु हो जाता हैं और इससे पहले यहां चुग्गा घर , तालाब आदि पर साफ सफाई और आवारा कुत्तों से इनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम पहले ही होने चाहिए थे लेकिन पर्यटन को बढ़ावा देने वाले इन पक्षियों की तरफ किसी का ध्यान नहीं हैं। माली ने कहा कि खींचन में लगातार इन पक्षियों की संख्या बढ़ती जा रही है और पिछले साल इनकी संख्या 40 हजार से ऊपर पहुंच गई थी और इनकी वापसी भी कुछ देरी से हुई थी। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि खींचन में अभी तक बर्ड रेस्क्यू सेंटर भी नहीं बन पाया है। उन्होंने बताया कि गत 27 अगस्त को ही आसमान में कुरजां मंडराती नजर आ गई थी लेकिन यहां चुग्गा घर में बड़ा-बड़ा घास होने एवं सफाई नहीं होने के कारण इन पक्षियों ने कई खेतों में अपना डेरा बनाया और अब पिछले सप्ताह विजयसागर एवं रातड़ी नाडी तालाबों पर उतरना शुरु हुए और अब वे समूह के रूप में नजर आने लगी है। माली ने बताया कि ग्राम पंचायत की तरफ से इस चुग्गा घर की सफाई कराई जा रही है और सप्ताह भर बाद ही यह चुग्गा घर पक्षियों को चुग्गा डालने के लिए तैयार हो पायेगा।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि सरकार को पिछले दिनों ही रामसर साइट घोषित किए इस पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने एवं इन पक्षियों का खींचन में पड़ाव स्थल बनाये रखने के लिए कोई ठोस कदम उठाये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर व्यवस्थाओं के इस तरह के हालात चलते रहे तो आने वाले समय में ये पक्षी अपना ठिकाना कहीं और बना लेंगे।

# आक्रांताओं के अत्याचार से भारत में हिंदुओं की आबादी 60 करोड़ से घटकर 30 करोड़ हुई थी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 1100 तक भारत में हिंदुओं की आबादी 60 करोड़ थी, मगर ''आक्रांताओं'' के ''अत्याचारों'' की वजह से साल 1947 में देश की आजादी के समय उनकी तादाद घटकर 30 करोड़ रह गई।

योगी आदित्यनाथ ने आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प विषयक प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह दावा किया। उन्होंने कहा, ''भारत पर इस्लाम ने जब पहला हमला किया और उसके बाद भी वर्ष 1100 तक, देश के अंदर हिंदुओं की आबादी 60 करोड़ थी, और 1947 में जब यह देश आजाद हुआ, उस समय हिंदुओं की आबादी मात्र 30 करोड़ रह गई। आप मुझे बताइए, इन 800-900 वर्षों में हमारी आबादी बढ़नी चाहिए थी या कम होनी चाहिए थी? हम 60 करोड़ से 30 करोड़ पर आ गए।''

आदित्यनाथ ने यह भी दावा किया कि ''आक्रांताओं'' ने हिंदुओं की आबादी ही नहीं घटाई बल्कि खेती के उत्पादन को भी कम कर दिया। उन्होंने कहा, ''हिंदुओं को सिर्फ आक्रांताओं ने ही नहीं मारा, बल्कि वे भूख से मरे, बीमारी से मरे, तमाम अन्य प्रकार की यातनाओं से मरे। विदेशी दासता ऐसी ही होती है... इस देश के साथ भी वही किया गया।''

हालांकि, आदित्यनाथ ने 300 वर्ष पहले के भारत की समृद्धि का भी जिक्र किया और कहा, ''ज्यादा दूर मत जाइए, आज से 300 वर्ष पहले दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 25 प्रतिशत था। दुनिया के कुल औद्योगिक उत्पादन में भारत का योगदान 25 प्रतिशत था। भारत का मतलब आज का भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश, जिसे आप वृहत्तर भारत कहते हैं। यानी 300 वर्षों तक भारत दुनिया की नंबर एक आर्थिक ताकत था। नंबर एक का उत्पादक राष्ट्र था और कृषि में तो भारत का कोई सानी नहीं था।''

मुख्यमंत्री ने स्वदेशी का नारा बुलंद करते हुए किसी का नाम लिए बिना विरोधियों पर निशाना साधा और कहा, ''क्या नहीं था भारत के पास, लेकिन जिन लोगों ने जाति के नाम पर बांटा, क्षेत्र के नाम पर बांटा, भाषा के नाम पर बांटा, और आज भी वे उसी विदेशी मानसिकता के साथ काम कर रहे हैं, समाज को विभाजित कर रहे हैं, वे लोग इस स्वदेशी अभियान में भी तमाम तरह की उंगलियां उठाएंगे।'' उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा, ''स्वदेशी अब केवल एक नारा नहीं है। स्वदेशी अब केवल खादी वस्त्रों तक ही सीमित नहीं है। सुई से लेकर समुद्री मालवाहक जहाज के निर्माण तक, और एक फाउंटेन पेन से लेकर एयरोप्लेन के निर्माण तक भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार देश के अंदर इस प्रकार का उत्पादन कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके जरिए स्वदेशी की अवधारणा को विराट और व्यापक रूप दिया है।''

आदित्यनाथ ने कहा, ''जिस उत्पादन के निर्माण में भारत के श्रमिकों का पसीना लगा हो और भारत की युवा शक्ति की प्रतिभा लगी हो, वह हमारे लिए स्वदेशी है। मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड यानी भारत द्वारा बनाया गया उत्पाद जो पूरी दुनिया के लिए उपयुक्त हो। स्वदेशी को हम सब अपने जीवन का हिस्सा बना सकें, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।''

## माफी मांगें या मानहानि के लिए 100 करोड़ रुपए का हर्जाना दें : बिहार के मंत्री ने प्रशांत किशोर से कहा

**पटना/भाषा।** बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने मंगलवार को जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को कानूनी नोटिस भेजते हुए उनसे ''बिना शर्त माफी'' मांगने या फिर 100 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा झेलने के लिए तैयार रहने को कहा। पिछले सप्ताह पटना में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी करीब 200 करोड़ रुपए मूल्य की भूमि की कथित रूप से अनियमित खरीद-फरोख्त में लिप्त हैं। ग्रामीण कार्य विभाग का प्रभार संभाल रहे अशोक चौधरी ने अपने अधिवक्ता कुमार अंजनय शानू के माध्यम से भेजे गए नोटिस में किशोर से कहा है कि वह ''या तो अपने आरोपों को साबित करने के लिए ठोस सबूत प्रस्तुत करें, या फिर लिखित और एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर मौखिक रूप से सार्वजनिक तौर पर बिना शर्त माफी मांगें।''

नोटिस में कहा गया है कि प्रशांत किशोर के बयान से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी की साख को अपूरणीय क्षति पहुंची है और उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हुई है। नोटिस में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि नोटिस प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर उपयुक्त उत्तर नहीं दिया गया, तो ''100 करोड़ रुपए के हर्जाने के लिए दीवानी मुकदमा'' दायर किया जाएगा।

## मध्यप्रदेश में सार्वजनिक-निजी भागीदारी से शहरों के बीच हेलीकॉप्टर सेवा संचालन को मंजूरी

**भोपाल/भाषा।** मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने मंगलवार को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत निजी संचालकों के सहयोग से राज्य के भीतर हेलीकॉप्टर सेवा संचालन को मंजूरी दी है जिसका उद्देश्य प्रमुख शहरों, धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय उद्यानों और पर्यटक स्थलों के लिए किफायती हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराना है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने संवाददाताओं को बताया कि संपूर्ण प्रदेश के हवाई अड्डों, हेलीपैड एवं हवाई पट्टियों के बीच निजी ऑपरेटर चयनित स्थानों पर हेलीकॉप्टर सेवा प्रदान करेंगे।

मंत्री ने बताया कि हेलीकॉप्टर सेवाओं के संचालन के लिए प्रदेश के प्रमुख शहरों को तीन सेक्टरों में विभाजित किया गया है जिसके तहत सेक्टर-एक में इंदौर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, मांडू, महेश्वर, गांधीसागर, मंदसौर, नीमच, हनुवंतिया, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर, रतलाम, झाबुआ, नलखेड़ा, भोपाल और जबलपुर को रखा गया है। इसी तरह, सेक्टर-दो में भोपाल, मढ़ई, पचमढ़ी, तामिया, छिंदवाड़ा, सांची, इंदौर, दतिया, दमोह, ग्वालियर, शिवपुरी, कूनो (श्योपुर), ओरछा, गुना, राजगढ़, सागर, होशंगाबाद, बैतूल, टीकमगढ़ और जबलपुर को रखा गया है और सेक्टर- तीन में जबलपुर, बांधवगढ़, कान्हा, चित्रकूट, सरसी, परसिली, मैहर, सतना, पन्ना, खजुराहो, कटनी, रीवा, सिंगरौली, अमरकंटक, सिवनी, सीधी, मंडला, पेंच, डिंडोरी, भोपाल और इंदौर हैं।

## जीएसटी सुधार से आम आदमियों के साथ व्यापारियों को भी काफी लाभ होगा : ब्रजेश पाठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गाजीपुर/बदायूं (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी के साथ व्यापारियों को भी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार से काफी फायदा हुआ है।

वहीं बदायूं में उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि जीएसटी की नई दरें हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लेकर आएंगी। ब्रजेश पाठक ने भाजपा नेताओं के साथ गाजीपुर में ''जीएसटी बचत उत्सव अभियान'' के तहत ''बाजार भ्रमण एवं व्यापारी संवाद'' कार्यक्रम में व्यापारियों को जीएसटी के नए प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी देकर पत्रक वितरित किया।

उपमुख्यमंत्री पाठक ने जीएसटी में सुधार के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रदेश की जनता की ओर से बधाई दी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह अधिक से अधिक लोगों तक इस बात की जानकारी पहुंचाएं। भाजपा कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''आम आदमी के साथ व्यापारियों को भी जीएसटी की दर कम करने से काफी फायदा हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''सरकार मध्यम वर्ग को राहत पहुंचाने को कृत संकल्पित है।'' पुलिस लाइन में हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद पाठक ने मेडिकल कॉलेज और महिला छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्था देखी। उन्होंने बंधवा स्थित मलिन बस्ती का भी निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से बातचीत की। इसके बाद नगर के महुआबाग में व्यापारियों से संपर्क कर जीएसटी की कम दर के बारे में बताया। बदायूं की प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने बदायूं के भाजपा कार्यालय पर जीएसटी सुधारों को लेकर एक पत्रकार वार्ता में कहा, ''जीएसटी को लेकर केंद्र सरकार का फैसला हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर लिया गया है। जीएसटी की नई दरें हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लेकर आएंगी।''

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खां की करीब दो साल बाद सीतापुर जेल से रिहाई पर अखिलेश यादव द्वारा दिए गए मुकदमा वापसी के बयान पर उन्होंने कहा, ''अखिलेश यादव का यह बयान अदालत को चुनौती देना है। अदालत जो फैसला लेती है वह सोच-समझकर लेती है और अदालत का फैसला सर्वोच्च होता है।'' यादव ने मंगलवार को सपा के संस्थापक सदस्य आजम खां की रिहाई पर खुशी जताते हुए कहा कि राज्य में सपा की सरकार आई तो खां के खिलाफ दर्ज सभी झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे।

## कोलकाता में मूसलाधार बारिश से जनजीवन ठप, 10 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कोलकाता/भाषा।** कोलकाता में मंगलवार को मूसलाधार बारिश के कारण कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से नौ व्यक्तियों की मृत्यु बिजली का करंट लगने से हुई। लगभग चार दशक के बाद हुई इतनी भारी बारिश के कारण हवाई, रेल और सड़क परिवहन प्रभावित हुआ। शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए हैं और राज्य सरकार को दो दिन पहले ही दुर्गा पूजा की छुट्टियां घोषित करनी पड़ी।

चौबीस घंटे से भी कम समय में हुई 251.4 मिलीमीटर बारिश 1986 के बाद सबसे अधिक है। उस साल 259.5 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इसके अलावा यह बीते 137 साल में एक दिन में छठी सबसे अधिक बारिश है। साल 1888 में 253 मिलीमीटर बारिश हुई थी। बारिश के कारण मुख्य सड़कों की हालत नदियों जैसी हो गई। मेट्रो और ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं और हवाई यात्रा भी प्रभावित हुई है। अगले सप्ताह दुर्गा पूजा से पहले शहर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारी बारिश को ''अभूतपूर्व'' बताया तथा फरक्का बैराज से गाद न निकालने और निजी बिजली कंपनी सीईएससी की चूक की आलोचना की। उन्होंने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए घरों के अंदर रहने की अपील की। ममता ने डिजिटल माध्यम से एक संबोधन में कहा, मैंने ऐसी बारिश पहले कभी नहीं देखी। कुल दस लोगों की मौत हो गई है, जिनमें से नौ की मौत खुले तारों की वजह से करंट लगने के कारण हुई है। कोलकाता में आठ जबकि उत्तर 24 परगना के शाशन व दक्षिण 24 परगना के अमतला से सटे इलाकों में दो लोगों की मौत हुई है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। सीईएससी को उनके परिवारों के सदस्यों को नौकरी देनी चाहिए। सीईएससी को कम से कम पांच लाख रुपए का मुआवजा देना चाहिए।

## किसानों की जमीनों पर कब्जा करना चाहती है सरकार : राकेश टिकैत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बरेली (उप्र)/भाषा।** भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार के खिलाफ 'वोट चोरी' के आरोपों पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार किसानों की जमीनों पर कब्जा करना चाहती है। टिकैत ने बरेली के नेहरू युवा केंद्र में आयोजित किसान महापंचायत में सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का समर्थन करते हुए कहा, ''राहुल गांधी सही बोल रहे हैं। वोट चोरी तो 2014 के चुनाव से ही लोग करते आ रहे हैं। हमने तो पांच साल पहले ही कह दिया था कि वोट चोरी करके बेईमानी से सरकार सत्ता में आई है। रोजगार छीने जा रहे हैं। स्कूल बंद हो रहे हैं। यह सरकार किसानों की जमीनों पर कब्जा करना चाहती है।'' टिकैत ने कहा, ''महापंचायत का उद्देश्य अधिकारियों को सचेत करना है। किसानों की जमीनों पर सरकार की नजर है। वह उसे हड़पना चाहती है और पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। किसानों को सतर्क होना पड़ेगा। केंद्र सरकार की नजर किसानों की जमीनों पर है और किसानों को भी दिल्ली पर नजर रखनी पड़ेगी।'' उन्होंने कहा, ''एक महापंचायत के माध्यम से हमने अधिकारियों को चेतावनी दे दी है। अगर उन्होंने अपनी सोच नहीं बदली तो हम महाआंदोलन करेंगे।'' इस महापंचायत में हजारों किसान शामिल हुए।

## 'ओडिशा के मयूरभंज में आयुर्वेद कॉलेज स्थापित किया जाएगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को घोषणा की कि मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में 85 करोड़ रुपए की लागत से एक आयुर्वेद कॉलेज स्थापित किया जाएगा और राज्य को इस वर्ष आठ और 'पंचकर्म' केंद्र मिलेंगे।

पंचकर्म केंद्रों में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती है। माझी ने यहां राज्य-स्तरीय राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''राज्य सरकार और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से इस वर्ष मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में एक नया आयुर्वेदिक कॉलेज स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना के लिए अनुमानित 85 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।'' वर्तमान में, केन्द्रापड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल में आयुष के अंतर्गत एक पंचकर्म इकाई मौजूद है तथा बरगढ़ और क्योंझर मुख्यालय अस्पतालों में ऐसी दो इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि अधिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न जिलों में आठ और पंचकर्म केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

माझी ने कहा, ''ओडिशा में तीन सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चार सरकारी होम्योपैथिक कॉलेज हैं, जबकि पांच सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल और चार सरकारी होम्योपैथिक अस्पताल हैं, जहां नई पीढ़ी के चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है और राज्य तथा बाहर से आए कई मरीजों का इलाज किया जा रहा है।'' इसके अलावा, वर्तमान में 1,011 आयुष औषधालय कार्यरत हैं, जिनमें से 620 आयुर्वेदिक, 562 होम्योपैथिक और नौ यूनानी औषधालय हैं।

## सभी वायु रक्षा प्रणालियों की संयुक्त रूप से जननी होगी 'सुदर्शन चक्र' प्रणाली : एयर मार्शल दीक्षित

**नई दिल्ली/भाषा।** सेना के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि भारत की प्रस्तावित वायु रक्षा प्रणाली 'सुदर्शन चक्र' ''सभी वायु रक्षा प्रणालियों की जननी'' होगी और इसमें ड्रोन-रोधी, यूएवी-रोधी और हाइपरसोनिक-रोधी प्रणालियां शामिल होंगी। यहां 'यूएवी-रोधी और वायु रक्षा प्रणालियां: आधुनिक युद्ध का भविष्य' विषय पर आयोजित सम्मेलन में अपने संबोधन में, एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख (सीआईएससी) एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने यह भी कहा कि दुश्मन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से सबक सीखा है और इसलिए सैन्य सोच और योजना में ''हमें उनसे दो कदम आगे रहना होगा''। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, रक्षा उद्योग की विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों और क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भाग लिया। एयर मार्शल दीक्षित ने हाल में हुए अजरबैजान-आर्मेनिया संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध और इस बात का उल्लेख किया कि कैसे अपेक्षाकृत सस्ते ड्रोनों ने दूसरे पक्ष की महंगी सैन्य संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सैन्य अधिकारी ने कहा कि उन्होंने एक 'नवाचार अनुकूलन चक्र' बनाया है और भारतीय उद्योग, थिंक-टैंक और शिक्षाविदों का काम 'दो कदम आगे' सोचना होना चाहिए।

## पिछले पांच सालों में ओड़िशा के 289 प्रवासी श्रमिकों को बचाया गया: मंत्री

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओड़िशा के श्रम और कर्मचारी राज्य बीमा मंत्री गणेश राम सिंहखुंटिया ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य के बाहर काम करते समय ओडिशा के 289 प्रवासी मजदूरों की मृत्यु हो गई। बीजद विधायक अनंत नारायण जेना के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि ओडिशा के इन प्रवासी श्रमिकों की मृत्यु 2021 से 2025 (अगस्त तक) की अवधि के दौरान हुई है।

मंत्री के बयान के अनुसार, 2021 में 14 प्रवासी मजदूरों की मौत हुई थी, जो 2022 में बढ़कर 31, वर्ष 2023 में 42 और वर्ष 2024 में 120 हो गई। इसी तरह, चालू कैलेंडर वर्ष के अगस्त तक 82 प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। सिंहखुंटिया ने कहा कि सरकार ने इस अवधि के दौरान अन्य राज्यों में कुल 5,612 संकटग्रस्त प्रवासी श्रमिकों को बचाया है।

मंत्री ने बताया कि 2021 में ओडिशा के 785 प्रवासी श्रमिकों को बचाया गया, जबकि 2022 में यह संख्या बढ़कर 1,196 और अगले वर्ष 1,639 हो गई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, राज्य सरकार ने 2024 और चालू वर्ष (अगस्त तक) में क्रमशः 1,055 और 937 प्रवासी श्रमिकों को बचाया है।

## प्रशांत किशोर के आरोपों पर राजग मंत्री 'साफ जवाब दें' या फिर 'पद छोड़ दें' : आर के सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता आर. के. सिंह ने मंगलवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राज्य के ग्रामीण कार्य विभाग के मंत्री अशोक चौधरी से कहा कि वे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर द्वारा लगाए गए आरोपों पर ''साफ जवाब दें'' या फिर ''पद छोड़ दें''।

आरा लोकसभा सीट से चुनाव हारने के बाद से नाराज भाजपा के वरिष्ठ नेता ने यह टिप्पणी विभिन्न मीडिया माध्यमों से बातचीत के दौरान की। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैंने जो कहा है, उस पर कायम हूं। इन नेताओं के अलावा भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह सब बातें पार्टी और राज्य सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रही हैं। यदि

उनके पास आरोपों को गलत साबित करने के सबूत हैं, तो वे सामने रखें और चाहें तो प्रशांत किशोर पर मानहानि का मुकदमा भी करें। यदि ऐसा नहीं है, तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए।''

प्रशांत किशोर ने पिछले सप्ताह आरोप लगाया था कि सम्राट चौधरी ने मैट्रिक परीक्षा पास किए बिना 'डी-लिट' की उपाधि कैसे प्राप्त कर ली। उन्होंने अशोक चौधरी पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने और पिछले तीन वर्षों में कथित रूप से 200 करोड़ रुपए की जमीन ''गैरकानूनी तरीकों से'' खरीदने का आरोप लगाया था। किशोर ने भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर भी ''अवैध रूप से'' एक अल्पसंख्यक महाविद्यालय के मालिक बनने का आरोप लगाया था।

किशोर ने कहा था, ''सम्राट चौधरी दावा करते हैं कि उन्हें अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से 'डी-लिट' की उपाधि मिली है। लेकिन उन्होंने 10वीं की परीक्षा कब पास की? चौधरी ने 2010 के चुनावी हलफनामे में खुद को सातवीं पास बताया था। इसके बाद के हलफनामों में उन्होंने 'डी-लिट' उपाधि का जिक्र किया। बिना 10वीं पास किए यह कैसे संभव है? निर्वाचन आयोग को चौधरी से उनकी 10वीं के प्रमाणपत्र की प्रति मांगनी चाहिए।''

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आर. के. सिंह ने कहा, ''सम्राट चौधरी को जनता के सामने अपनी डिग्रियां रखनी चाहिए। सबूतों के साथ स्पष्ट करना चाहिए... इसमें समस्या क्या है कि वह मैट्रिक और स्नातक की डिग्रियां दिखाएं? वरना इसका असर पार्टी की विश्वसनीयता पर पड़ रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि अशोक चौधरी और दिलीप जायसवाल को भी इन आरोपों पर सफाई देनी चाहिए। आर. के. सिंह ने यह भी चेतावनी दी कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के आरा के वर्तमान विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह और बड़हरा के विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह को टिकट दिया गया तो वह भाजपा के खिलाफ प्रचार करेंगे।

## बुलडोजर फैसले से बहुत संतुष्टि मिली क्योंकि यह मानवीय समस्याओं से निपटता है : सीजेआई गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने कहा है कि बुलडोजर कार्रवाई पर उनके फैसले से उन्हें ''अत्यधिक संतुष्टि'' मिली है, क्योंकि यह ''मानवीय समस्याओं'' से निपटता है।

न्यायमूर्ति गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की उच्चतम न्यायालय की पीठ ने 13 नवंबर 2024 को ''बुलडोजर न्याय'' की तुलना एक अराजक स्थिति से की थी और देशभर के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किये थे।

शीर्ष न्यायालय के वकीलों के एक शैक्षणिक समूह द्वारा 19 सितंबर को आयोजित एक अभिनंदन समारोह में सीजेआई गवई ने कहा कि उन्हें लगभग छह महीने तक न्यायमूर्ति विश्वनाथन के साथ पीठ साझा करने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बुलडोजर से जुड़ा निर्णय, उन निर्णयों में से एक है जिसने हम दोनों को अत्यधिक संतुष्टि दी। इस निर्णय के मूल में मानवीय समस्याएं और मानव द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएं थीं। परिवार को केवल इसलिए परेशान किया जा रहा था कि उसके सदस्य या तो अपराधी या कथित अपराधी हैं।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हालांकि, इसका श्रेय उन्हें ही जाता है, लेकिन इस फैसले को लिखने का बराबर का श्रेय न्यायमूर्ति विश्वनाथन को भी जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीजेआई के कार्यकाल का न्याय प्रशासन पर कोई असर नहीं पड़ता।

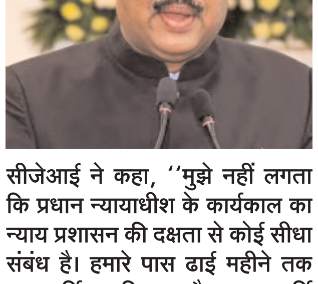

सीजेआई ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि प्रधान न्यायाधीश के कार्यकाल का न्याय प्रशासन की दक्षता से कोई सीधा संबंध है। हमारे पास ढाई महीने तक न्यायमूर्ति ललित और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना जैसे सर्वश्रेष्ठ प्रधान न्यायाधीश रहे हैं, जिन्होंने अपनी छाप छोड़ी है तथा वे न्याय प्रदान करने और (न्याय) प्रशासन में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं।'' प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि उन्होंने न्याय की बेहतरी और देश भर में न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे में सुधार लाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने कहा, ''मैंने न्याय प्रशासन की बेहतरी और देश भर में न्यायिक बुनियादी ढांचे में सुधार लाने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए हर पल प्रयास किया है कि उच्च न्यायालयों में नियुक्तियां शीघ्रता से तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचें।'' प्रधान न्यायाधीश के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में उच्चतम न्यायालय में वकालत कर रहे युवा वकीलों को ''अच्छा प्रतिनिधित्व'' देने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा, ''हमें पूरा विश्वास है कि उच्चतम न्यायालय में उन्हें जो समृद्ध अनुभव प्राप्त होता है, वह वास्तव में उच्च न्यायालय स्तर पर दक्षता लाने या उसे बढ़ाने में मदद करता है।''

## सुविचार

जमाने में वही लोग हम पर उंगली उठाते हैं जिनकी हमें छूने की औकात नहीं होती।

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# साइबर ठगी: बैंकर भी नहीं सुरक्षित!

दिल्ली में एक सेवानिवृत्त बैंकर को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे 23 करोड़ रुपए की ठगी संभवत: भारत में इस प्रकार के अपराध में लूटी गई राशि का सबसे बड़ा आंकड़ा है। साइबर जालसाजों ने 78 वर्षीय व्यक्ति को लगभग एक महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा और उनकी सारी जमा-पूंजी उड़ा ली। यह जानकर अचंभा होता है कि बैंक में वर्षों सेवा देने के बावजूद ये पूर्व अधिकारी साइबर जालसाजों के झांसे में आ गए! उन्हें जरा भी शक नहीं हुआ। जब अपराधी इस घटना को अंजाम दे रहे थे, तब इन सेवानिवृत्त बैंकर को कई फर्जी पत्र भी भेजे थे। उनकी शब्दावली, मुहर और प्रक्रिया के तौर-तरीकों में कोई तो गड़बड़ रही होगी, जिस पर नजर पड़ते ही शक होना चाहिए था। आम तौर पर यह माना जाता है कि बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों को आर्थिक मामलों की गहरी समझ होती है। वे जालसाजी को तुरंत पकड़ लेते हैं। अगर बैंक में जिंदगीभर नौकरी करने के बावजूद कोई व्यक्ति जालसाजों के पैंतरों को नहीं पकड़ सका तो इसका सीधा-सा मतलब यह है कि साइबर अपराधी बहुत शातिर हो गए हैं। उन्होंने ठगी के ऐसे तरीके ढूंढ़ लिए हैं कि आर्थिक मामलों के जानकार भी शिकार हो जाते हैं। उनके सामने आम आदमी कितना सुरक्षित है? हाल में डिजिटल अरेस्ट की घटनाएं कम ही सामने आ रही थीं। पिछले साल साइबर जालसाजों ने इसके नाम पर लोगों को बहुत लूटा था और रोजाना ही कोई मामला सोशल मीडिया पर चर्चा में रहता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों को बताया था कि डिजिटल अरेस्ट की धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह एक झूठ है। भारतीय संविधान में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई प्रावधान नहीं है। तो कोई एजेंसी इस तरह किसी व्यक्ति को कैसे गिरफ्तार करेगी?

ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए टेलीकॉम कंपनियों ने कुछ तकनीकी उपाय किए हैं, जो काफी हद तक प्रभावी साबित हुए हैं। हालांकि कोई तकनीक पूरी तरह सुरक्षित नहीं होती है। साइबर जालसाज ऐसे तरीके ढूंढ़ते रहते हैं, जिनकी मदद से वे लोगों तक पहुंच सकें, उन्हें धमका सकें और बैंक खातों में सेंध लगा सकें। कंपनियों को चाहिए कि वे तकनीकी उपायों को और मजबूत करें, ताकि कोई साइबर जालसाज अपने मंसूबों में कामयाब न हो पाए। वहीं, जनता को भी जागरूक होने की जरूरत है। खासकर बैंक कर्मचारियों को तो बहुत सावधान रहना चाहिए। उनके पास बैंक शाखा में काफी नकदी होती है। अगर कोई साइबर जालसाज उन्हें डरा-धमकाकर राशि ट्रांसफर करवा ले तो भारी नुकसान हो सकता है। हाल के वर्षों में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जब साइबर जालसाजों ने बैंक कर्मचारियों / पूर्व कर्मचारियों को बातों में उलझाकर लाखों रुपए ठग लिए थे। पिछले साल दिसंबर में उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक सेवानिवृत्त चीफ मैनेजर डिजिटल अरेस्ट के शिकार हो गए थे। उन्होंने 40.45 लाख रुपए गंवा दिए थे। इसी तरह जून 2024 में जयपुर में एक महिला बैंक मैनेजर से 17 लाख रुपए की ठगी हो गई थी। उन्हें भी डिजिटल अरेस्ट किया गया था। मैनेजर इतनी डर गई थीं कि उन्होंने अपनी एफडी तोड़कर साइबर जालसाजों के बैंक खातों में रुपए भेज दिए थे। जून 2024 में ही कोयंबटूर के एक बैंक मैनेजर पार्ट टाइम जॉब एवं निवेश स्कीम में ऐसे फंसे कि 48.57 लाख रुपए गंवा बैठे थे। कर्नाटक के मांड्या में एक बैंक मैनेजर को साइबर जालसाजों ने नकली सीबीआई अधिकारी बनकर डराया और डिजिटल अरेस्ट कर लिया था। मैनेजर ने जालसाजों की बातों में आकर उन्हें 56 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए थे। ये घटनाएं बताती हैं कि साइबर ठगी के बढ़ते खतरे के मद्देनज़र बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। साइबर ठग जो नए पैंतरे आजमा रहे हैं, उनसे बचने के लिए बैंकों में चर्चा होनी चाहिए। अख़बार तो सबको रोज़ाना नियमपूर्वक पढ़ना चाहिए। जब बैंक अधिकारी और कर्मचारी ज्यादा सजग रहेंगे तो वे जनता के धन की सुरक्षा भी बेहतर ढंग से कर सकेंगे।

## ट्वीटर टॉक

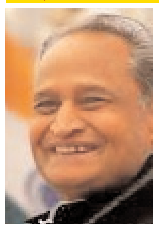

जयपुर के अजमेर-सीकर रोड के इलाके में कालवाड़ रोड, सिरसी रोड, धावास, वैशाली नगर इलाके की तरफ जाना हुआ। इन इलाकों में सड़कों की भयंकर दुर्गति है। यहां कई जगहों पर स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश में इस इलाके में स्थिति बेहद खराब हो गई।

**-अशोक गहलोत**

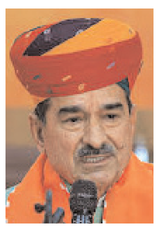

आज उदयपुर में स्वदेशी अभियान के अंतर्गत दुकानों पर स्टीकर लगाकर सभी को जीएसटी रिफॉर्म की शुभकामनाएँ दीं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ नेक्सट जेन जीएसटी सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।

**-मदन राठौड़**

22 से 29 सितंबर तक आयोजित जीएसटी उत्सव - घटी जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार के अंतर्गत,राजस्थान के खाद्य मंत्री श्री सुमित गोदारा जी के साथ लूणकरणसर के कालू रोड स्थित खुदरा विक्रेताओं से भेंट कर नई जीएसटी दरों पर विस्तृत चर्चा की।

**-अर्जुनराम मेघवाल**

## प्रेरक प्रसंग

# ईश्वर की प्रसन्नता

राबिया बसरी एक बहुत ही धार्मिक महिला थी। वह एक झोपड़ी में रहती थी, सोने के लिए एक गद्दा, तकिये के स्थान पर एक ईंट, एक छोटा बर्तन और एक टूटा हुआ मिट्टी का गिलास, बस ये ही उसकी संपत्ति थी। कुछ लोग उससे मिलने आए और उन्हें उसकी हालत पर तरस आया। उन्हें लगा कि वह ईश्वर की इतनी पूजा करती है, फिर भी उसके लिए कोई सुविधा नहीं है। यहां तक कि एक अच्छा तकिया भी नहीं। राबिया उनके मन की बात समझ गई। राबिया ने उनसे प्रश्न किया, 'क्या ईश्वर सर्वशक्तिमान है?' उन्होंने कहा, 'हां'। उसने फिर प्रश्न किया, 'क्या वह आकाश को भूमि में और भूमि को आकाश में बदल सकता है?' उन्होंने कहा, 'हां!' उसने फिर पूछा, 'क्या वह मेरी स्थिति आसानी से बदल सकता है?' उन्होंने कहा, 'वह तुम्हें राजकुमारी जितना धनवान बना सकता है!' उसने आगे पूछा, 'उसने इसे नहीं बदला है, क्या यह सच है या नहीं?' वे सहमत हुए। फिर राबिया ने उन्हें समझाया, 'इसका अर्थ है कि भगवान मेरी इस हालत से खुश हैं। अगर भगवान खुश हैं तो मैं नाराज़ कैसे हो सकती हूं?' यही एक भक्त की समझ है।

## सामयिक

# भारतीय शोधार्थियों को प्रोत्साहन की जरूरत

**प्रमोद भार्गव**
मोबाइल : 9981061100

पक्षियों के पंख अपने आप में संपूर्ण रूप में विकसित होते हैं, लेकिन हवा के बिना कोई भी पक्षी उड़ान नहीं भर सकता। यही स्थिति भारत में नवाचारी प्रयोगधर्मियों के साथ रही है। उनमें कल्पनाशील असीम क्षमताएं हैं, लेकिन कल्पनाओं को आकार देने के लिए प्रोत्साहन एवं वातावरण नहीं मिल पाता है। हालांकि 11 साल से सत्तारुढ़ नरेंद्र मोदी सरकार ने इस वातावरण के निर्माण में अकल्पनीय काम किया है, किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनर्गल फैसलों के चलते जरूरी हो गया है कि हम अपने उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्यनरत विद्यार्थियों की मौलिक सोच को शोध की दिशा में प्रेरित करें। क्योंकि हाल ही में ट्रंप ने नासा और नेशनल साइंस फाउंडेशन जैसे शोध विकास संस्थानों के बजट में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है। दूसरी तरफ एच-1 बी वीजा की शुल्क में आवेदान के लिए एक लाख डॉलर, यानी करीब 86 लाख रुपए का अतिरिक्त भुगतान करने की शर्त लगा दी है। इस किस्म के वीजा के सबसे ज्यादा लाभार्थी वे दक्ष युवा भारतीय हैं, जो अमेरिका की आईटी कंपनियों में नौकरी करने के इच्छुक रहते हैं। ट्रंप भविष्य में ऐसे और कानूनी उपाय कर सकते हैं, जिससे युवा उद्यमियों को अवसर मिलने में कमी आए। अतएव भारत को ऐसे कल्पनाशील शोधार्थियों को बढ़ावा देना जरूरी है, जिनमें नवाचारी प्रतिभा है।

हालांकि नासा और नेशनल फाउंडेशन के बजट में भारी कटौती के बाद यूरोप ने चूज यूरोप फॉर साइंस थीम पर मई-2025 में एक बैठक कर दुनिया के शोधार्थियों के लिए अपने संस्थानों के द्वार खोल दिए हैं। फ्रांस और भारत ने बजट बढ़ा दिया है। चीन पूर्व से ही स्कूल स्तर पर छात्रों की मौलिक सोच एवं नूतन आविष्कार की संभावनाओं की पहचान कर छात्रों को अनुसंधान की दिशा में उन्मुक्त करने लग गया है।

भारत ने नेशनल रिर्सच फाउंडेशन बनाकर एक लाख करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की है। जिससे शोध की सोच को आविष्कार के रूप में साकार किया जा सके। अब छात्र वित्तीय स्वतंत्रता के साथ अपने शोध आगे बढ़ा सकेंगे। वर्तमान और भविष्य के शोध एआई, रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटर, अंतरिक्ष विज्ञान, गणित और स्टेम साइंस के अनुसंधानों से जुड़े होंगे। आज के समय में नासा और भारत सुपर कंप्यूटर और डिजिटल संचार के माध्यमों में पाणिनि के अष्टाध्यायी में उल्लेखित संस्कृत को इनकी भाषा बनाने के संयुक्त अनुसंधान में लगे हैं। संस्कृत की भाषाई सटीकता और तार्किकता के चलते इसे कृत्रिम बुद्धि और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकी में प्रयोग की संभावनाएं बढ रही हैं।

संस्कृत की व्याकरण प्रणाली को तीन हजार से अधिक वर्ष पहले महर्षि पाणिनि ने संहिताबद्ध किया था। वैज्ञानिक इसे भाषाई विज्ञान का एक अद्वितीय नमूना मानते हैं। पाणिनि व्याकरण संस्कृत भाषा के लिए रचित अष्टाध्याई नामक ग्रंथ पर आधारित है। जिसमें लगभग 4000 सूत्र हैं। यह व्याकरण एक अत्यधिक वैज्ञानिक और सूक्ष्म विश्लेषण प्रस्तुत करता है। संस्कृत को इसी ने परिनिष्ठित और मानकीकृत किया है। पाणिनि की यह पद्धति दुनिया की पहली औपचारिक विधि मानी जाती है। इसके सहायक प्रतीकों (प्रत्यय) की प्रणाली ने कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। क्योंकि संस्कृत सुसंगत कंप्यूटर अनुकूल भाषा हैं। इसलिए इसे एआई और रोबोटिक्स तकनीक के लिए उपयोगी भाषा माना जा रहा है। चूंकि भारतीय युवा अपनी मातृभाषा में प्राकृतिक रूप से दक्ष रहते हैं और इन भाषाओं की जननी संस्कृत है, इसलिए उन्हें उपरोक्त क्षेत्रों में नए शोध करने में आसानी होगी।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी साहित्य सृजन में केवल पाश्चात्य लेखकों का ही बोलबाला है। पश्चिमी देशों के वैज्ञानिक आविष्कारों से ही यह साहित्य भरा पड़ा है। भारत में भी इसी साहित्य का पाठ्य पुस्तकों में अनुकरण है। इस साहित्य में न तो हमारे प्राचीन वैज्ञानिकों की चर्चा है और न ही आविष्कारों की। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हम खुद न अपने आविष्कारकों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं और न ही उन्हें मान्यता देते हैं। इन प्रतिभाओं के साथ हमारा व्यवहार भी कमोबेश उपहासपूर्ण अभद्र रहता है। हालांकि अब निरंतर ऐसी प्रामाणिक सूचनाएं मीडिया में आ रही हैं, जिनसे निश्चित होता है कि प्राचीन भारत विज्ञान की दृष्टि से अत्यंत समृद्धशाली था। संस्कृत ग्रंथों से यही ज्ञान अंग्रेजी, फारसी और अरबी भाषाओं में अनुदित होकर पश्चिम पहुंचा और वहां के कल्पनाशील जिज्ञासुओं ने भारतीय सिद्धांतों को वैज्ञानिक रूप में ढालकर अनेक आविश्कार व सिद्धांत गढ़कर पेटेंट करा लिए। इनमें से ज्यादातर पश्चिमी वैज्ञानिक उच्च शिक्षित नहीं थे। बल्कि उन्हें मनबुद्धि होने का दंड देकर विद्यालयों से कर दिया गया था।

आविष्कारक शोधार्थी को जिज्ञासु एवं कल्पनाशील होना जरूरी है। कोई शोधार्थी कितना भी शिक्षित क्यों न हो, वह कल्पना के बिना कोई मौलिक या नूतन आविष्कार नहीं कर सकता है। शिक्षा संस्थानों से विद्यार्थी जो शिक्षा ग्रहण करते हैं, उसकी एक सीमा होती है, वह उतना ही बताती व सिखाती है, जितना हो चुका है। आविष्कार कल्पना की वह श्रृंखला है, जो हो चुके से आगे की अर्थात कुछ नितांत नूतन करने की जिज्ञासा को आधार-तल देती है। स्

पश्ट है, आविष्कारक लेखक या नए सिद्धांतों के प्रतिपादकों को उच्च शिक्षित होने की कोई बाध्यकारी अड़चन पेश नहीं आनी चाहिए। अतएव हम जब लब्ध-प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की जीवन-गाथाओं को पढ़ते हैं, तो पता चलता है कि न तो वे उच्च शिक्षित थे, न ही वैज्ञानिक संस्थानों में काम करते थे और न ही उनके इर्द-गिर्द विज्ञान-सम्मत परिवेश था। उन्हें प्रयोग करने के लिए प्रयोगशालाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। हम कह सकते हैं कि मौलिक प्रतिभा जिज्ञासु के अवचेतन में कहीं छिपी होती है। इसे पहचानकर गुणीजन या शिक्षक प्रोत्साहित कर कल्पना को पंख देने का माहौल दें तो भारत की ग्रामीण धरती से अनेक वैज्ञानिक-आविष्कारक निकल सकते हैं। इस दिशा में एक अच्छी पहल आईआईटी मद्रास में सोच का पाठ पढ़ाने के पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ की है। यदि शिक्षक विद्यार्थी के अवचेतन में पैठ बनाए बैठे इस कल्पनाशील सोच को पहचानने में सफल होते हैं तो इस पाठ्यक्रम की सार्थकता निकट भविष्य में सिद्ध हो जाएगी।

दुनिया में वैज्ञानिक और अभियंता पैदा करने की दृष्टि से भारत का तीसरा स्थान है। भारतीय शोधार्थियों का वैश्विक प्रतिशत 2 हैं, सबसे उत्तम और चर्चित शोध-पत्रों की प्रस्तुति में हमारा योगदान 2.4 प्रतिशत है। लेकिन यह प्रसन्नता की बात है कि दुनिया के 29 प्रौद्योगिकी संपन्न देशों में भारत का स्थान पांचवां है। भारत ने उस प्रत्येक परिस्थिति को चुनौती और अवसर माना, जिसे दूसरे देशों के देने से मना कर दिया था। एक समय रूस ने भारत को अंतरिक्ष मिसाइल प्रक्षेपण से जुड़े क्रायोजनिक इंजन की तकनीक देने से मना कर दिया था। तब एपीजे अब्दुल कलाम ने इसे अपनी बुद्धि और देशज संशाधनों से विकसित किया और आज हम अंतरिक्ष में प्रमुख वैश्विक शक्ति हैं। इसी तरह 1987 में अमेरिका ने हमें सुपर कंप्यूटर देने से मना कर दिया था। तब भौतिक शास्त्री विजय पांडुरंग भटकर ने इस स्थिति को एक चुनौती माना और भारत का पहला सुपर कंप्यूटर परम स्वयं की मेधा से विकसित किया। अतएव ट्रंप के अवरोधों को हमें एक अवसर के रूप में देखने की जरूरत है।

## चिंतन

# नेपाल में अराजकता, अस्थिरता से भारत की चिंता

**संजीव ठाकुर**
मोबाइल: 9009415415

नेपाल हाल के दिनों में गंभीर राजनीतिक उथल-पुथल से गुज़रा है। जेन-जेड प्रोटेस्ट के नाम से शुरू हुए युवा आंदोलनों ने भ्रष्टाचार, बेरोज़गारी और सोशल मीडिया प्रतिबंध जैसे मुद्दों पर सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। प्रदर्शन हिंसक हुए, और दबाव में आकर प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को इस्तीफ़ा देना पड़ा। इसके बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है और मार्च 2026 में आम चुनाव की घोषणा भी हुई है।यह घटनाक्रम केवल नेपाल की आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं है; इसके गहरे असर भारत-नेपाल संबंधों पर भी पड़ सकते हैं। नेपाल में हाल का विद्रोह केवल सड़कों पर नारों तक सीमित नहीं रहा, उसने सत्ता के गलियारों को हिला दिया। युवा पीढ़ी के असंतोष ने वर्षों से जड़ जमाए नेतृत्व को चुनौती दी और अंततः प्रधानमंत्री ओली की विदाई का रास्ता बना। यह बदलाव नेपाल के लिए नया अध्याय है, लेकिन सवाल यह है कि भारत इस अध्याय को किस तरह पढ़ेगा? नेपाल में अराजकता, अस्थिरता से भारत की चिंता। भारत और नेपाल का रिश्ता सिर्फ पड़ोसी देशों का नहीं, बल्कि साझा संस्कृति, खुली सीमा और ऐतिहासिक साझेदारी का है। लेकिन नेपाल की अस्थिर राजनीति भारत के लिए हमेशा चिंता का विषय रही है। अशांति जितनी लंबी खिंचेगी, उतना ही भारत की सीमा-सुरक्षा और व्यापारिक आपूर्ति प्रभावित होगी। भारत के लिए नेपाल में राजनीतिक स्थिरता अनिवार्य है। साझा सीमा और सांस्कृतिक रिश्तों के कारण नेपाल में अस्थिरता सीधे भारत की सुरक्षा और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करती है। अगर अंतरिम सरकार समय पर चुनाव कराकर जनता का भरोसा जीत पाती है, तो यह भारत के लिए सकारात्मक होगा। लेकिन अगर असंतोष और हिंसा बनी रही, तो इसका असर सीमा क्षेत्रों और व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ेगा। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सीमा पार पेट्रोलियम, खाद्यान्न और दवाइयों की आपूर्ति नेपाल की अर्थव्यवस्था के लिए जीवनरेखा है। हालिया अस्थिरता ने बिरगंज-रक्सौल कॉरिडोर जैसे महत्त्वपूर्ण व्यापारिक मार्गों को प्रभावित किया है। नई सरकार अगर भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर निवेश का माहौल बेहतर बनाती है, तो भारतीय कंपनियों को ऊर्जा और हाइड्रोपावर परियोजनाओं में नए अवसर मिल सकते हैं। लेकिन यदि अस्थिरता लंबी खिंचती है या नीति चीन की ओर झुकती है, तो भारत के आर्थिक हितों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भारत-नेपाल की 1,751 किलोमीटर लंबी खुली सीमा मित्रता का प्रतीक है, पर यह सुरक्षा की चुनौती भी है। राजनीतिक संकट के दौर में हथियारों की तस्करी, नकली मुद्रा और अवैध आवागमन की समस्या बढ़ जाती है। इसी कारण भारत ने हाल की घटनाओं के बाद सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी है। नेपाल की राजनीति में चीन का दख़ल लगातार बढ़ रहा है। हाइड्रोपावर, सड़क और डिजिटल परियोजनाओं में चीनी निवेश नेपाल को आकर्षित कर रहा है। यदि नई सरकार चीन की ओर और झुकती है, तो भारत की परंपरागत भूमिका को चुनौती मिलेगी। भारत को विकास सहयोग और कूटनीतिक पहल के ज़रिए संतुलन बनाए रखना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल की हिंसा पर चिंता जताते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ाने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को नेपाल यात्रा के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है और सीमा क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।नेपाल का मौजूदा संकट भारत के लिए चेतावनी भी है और अवसर भी नेपाल की अर्थव्यवस्था भारत पर निर्भर है। पेट्रोल, दवाइयाँ, अनाज और रोज़मर्रा की चीज़ें भारतीय मार्गों से ही पहुँचती हैं।

इस अस्थिरता से व्यापारिक कॉरिडोर पर असर पड़ना स्वाभाविक है। यदि नई सरकार भ्रष्टाचार कम करने और निवेश आकर्षित करने में सफल होती है, तो भारत को ऊर्जा परियोजनाओं और बुनियादी ढाँचे में नए अवसर मिलेंगे। लेकिन अगर राजनीतिक दिशा चीन की ओर मुड़ी, तो भारत को अपने हिस्से का मैदान छोटा होता दिखेगा। नेपाल में हर राजनीतिक हलचल के पीछे एक और चेहरा भी दिखता है - चीन का। चाहे सड़क हो या हाइड्रोपावर, नेपाल में चीन का निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारत के लिए यह चुनौती है कि वह केवल सरकारों से नहीं, बल्कि सीधे नेपाली समाज से जुड़ाव बढ़ाए। दोस्ती सिर्फ़ समझौतों से नहीं, बल्कि भरोसे और साझा विकास से बनती है।भारत ने आधिकारिक तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन और हिंसा पर चिंता जताई है। लेकिन केवल बयान देना काफी नहीं होगा। भारत को चाहिए कि वह नेपाल में शिक्षा, रोज़गार और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष सहयोग बढ़ाए, ताकि आम नेपाली नागरिक उसे सच्चा साझेदार माने। नेपाल का मौजूदा संकट भारत के सामने दो दरवाज़े खोलता है - एक दरवाज़ा चिंता और असुरक्षा का, दूसरा अवसर और साझेदारी का।

चुनाव के नतीजे चाहे जैसे हों, भारत के लिए असली परीक्षा यह होगी कि वह नेपाल के साथ रिश्तों को नई ऊँचाई दे या उन्हें केवल औपचारिकता में सिमटा रहने दे।काठमांडू की सड़कों पर उठता हर नारा दिल्ली की नीतियों के लिए संकेतक बन जाता है। वर्तमान परिस्थिति में भारत की सबसे बड़ी चिंता सीमा-सुरक्षा और व्यापार की है। पेट्रोल, खाद्यान्न और दवाइयों जैसी आवश्यक वस्तुएँ भारत से ही नेपाल पहुँचती हैं। अशांति के दौर में सीमा पार व्यापार ठप पड़ना स्वाभाविक है। इसके साथ ही तस्करी, अवैध आवाजाही और बाहरी ताक़तों की घुसपैठ का खतरा भी बढ़ जाता है।

## नजरिया

# मलयालम सिनेमा के गौरव मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

**महेन्द्र तिवारी**
मोबाइल : 9989703240

भारत सरकार ने वर्ष 2023 के लिए मलयालम सिनेमा के महान अभिनेता मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान, दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह खबर मिलते ही न केवल उनके प्रशंसकों, बल्कि पूरी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह सम्मान मोहनलाल के चार दशक से भी लंबे करियर और भारतीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान का प्रतीक है। मोहनलाल, जिनका पूरा नाम मोहनलाल विश्वनाथन नायर है, का जन्म 21 मई 1960 को पथानमथिट्टा, केरल में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1978 में 'थिरानोट्टम' नामक फिल्म से की थी, लेकिन उनकी पहली रिलीज़ 1980 में आई 'मंजिल विरिंजा पुक्कल' थी, जिसमें उन्होंने एक खलनायक की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें तुरंत पहचान दिलाई और इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और सहज अभिनय से उन्होंने भारतीय सिनेमा में एक अमिट छाप छोड़ी है। उनके अभिनय में इतनी गहराई और सहजता है कि वे किसी भी किरदार को जीवंत कर देते हैं, यही कारण है कि उनके प्रशंसक उन्हें प्यार से 'लालेट्टन' (प्रिय) कहते हैं।

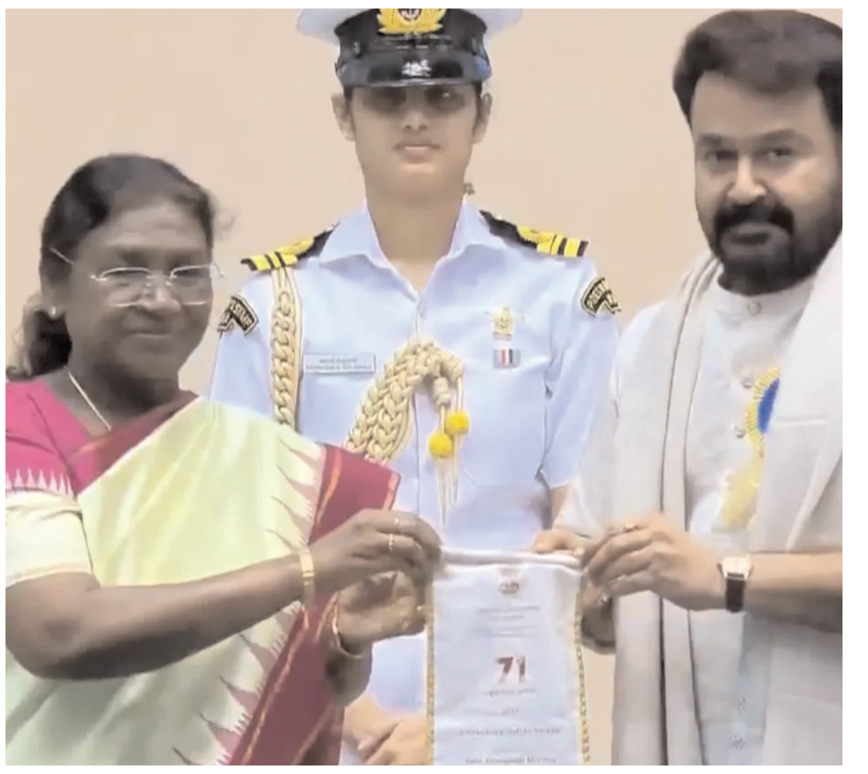

अपने चार दशक से भी लंबे करियर में, मोहनलाल ने 400 से ज़्यादा फिल्मों में काम किया है। उन्होंने न केवल मलयालम सिनेमा में बल्कि तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ सिनेमा में भी अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा है। उनकी कुछ यादगार फिल्मों में 'थनमाथरा', 'इरुवर', 'दृश्यम' और 'ल्यूसिफर' शामिल हैं, जिन्होंने उन्हें देश-विदेश में अपार लोकप्रियता दिलाई। उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण के कारण उन्हें 'द कंप्लीट एक्टर' की उपाधि भी दी गई है। यह उपाधि उनकी कला के प्रति उनके गहरे समर्पण और उनके हर किरदार में पूर्णता लाने के जुनून को दर्शाती है। मोहनलाल को पहले भी कई बड़े सम्मानों से नवाज़ा जा चुका है। उन्हें पाँच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें दो बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार शामिल है। इसके अलावा, उन्हें भारत सरकार द्वारा वर्ष 2001 में पद्म श्री और 2019 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। ये सम्मान उनके असाधारण करियर और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान का प्रमाण हैं।

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार की घोषणा होते ही मोहनलाल ने इसे केवल अपना नहीं, बल्कि पूरी मलयालम फिल्म इंडस्ट्री का सम्मान बताया। यह खबर मिलने के बाद जब वे कोच्चि पहुँचे, तो उन्होंने सबसे पहले अपनी माँ शांताकुमारी अम्मा का आशीर्वाद लिया। हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए, वे भावुक हो गए और कहा, यह सम्मान सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि पूरे मलयालम सिनेमा का है। मैं इसे उस इंडस्ट्री को समर्पित करता हूँ, जिसने मुझे आकार दिया और उन सभी को, जिन्होंने मेरे 48 साल के लंबे सफर में मेरा साथ दिया। उन्होंने इस पुरस्कार को अपने जीवन की सबसे बड़ी खुशी बताते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देगा। उन्होंने यह भी कामना की कि मलयालम सिनेमा और भी ऊँचाइयाँ हासिल करे। यह बयान उनकी विनम्रता और अपनी जड़ों के प्रति उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है। मोहनलाल को 23 सितंबर 2025 को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह क्षण न केवल मोहनलाल के लिए, बल्कि मलयालम सिनेमा और पूरे भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। उनके अभिनय करियर की यह उपलब्धि उनकी कला के प्रति समर्पण और उनकी अथक मेहनत का फल है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

### रैली

युवा राजपूत सभा ने मंगलवार को जम्मू में महाराजा हरि सिंह जी की 130वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक भव्य रैली निकाली।

## महर्षि वाल्मीकि के रूप में मेरा फर्जी ट्रेलर एआई से बनाया गया: अक्षय कुमार

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता अक्षय कुमार ने मंगलवार को कहा कि महर्षि वाल्मीकि के रूप में दिखाया गया 'ट्रेलर' फर्जी है और इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से तैयार किया गया है। अभिनेता ने लिखा, ''हाल में मुझे कुछ 'एआई-जनरेटेड' वीडियो मिले हैं जिनमें मुझे महर्षि वाल्मीकि की भूमिका में दिखाया गया है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि ऐसे सभी वीडियो फर्जी हैं और एआई की मदद से बनाए गए हैं। इससे भी बुरी बात यह है कि कुछ समाचार चैनलों ने इस बात की पुष्टि किये बिना ही इन्हें खबर के रूप में दिखाने का निर्णय ले लिया कि यह असली है भी नहीं या क्या इसे छेड़छाड़ करके बनाया गया है।''इसके बाद उन्होंने सभी 'मीडिया हाऊस' से अनुरोध किया कि वे ऐसी सूचनाओं की पुष्टि करकर ही उसे खबर के रूप में प्रकाशित/प्रसारित करें।अक्षय ने कहा, ''आज के ऐसे दौर में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से भ्रामक सामग्री बड़ी तेजी से तैयार की जा रही है, मैं मीडिया से ईमानदारी से अनुरोध करता हूं कि वे जानकारी की पुष्टि करने के बाद ही खबरें चलायें।''यह बयान ऐसे समय में आया है जब ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन और करण जौहर जैसी मशहूर हस्तियों द्वारा उनके नाम, छवि, आवाज और व्यक्तित्व के ऑनलाइन अनधिकृत दुरुपयोग पर कानूनी रूप से सुरक्षा का अनुरोध किया है।

### गरबा

सूरत में मंगलवार को दस दिनों तक चलने वाले 'नवरात्रि' उत्सव के दूसरे दिन गरबा अभ्यास सत्र के दौरान एक लड़की अपने सिर पर बर्तनों का संतुलन बनाते हुए अपना हुनर दिखाती हुई।

## राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर करण जौहर ने कहा, मैंने कुछ तो अच्छा किया जिससे दिल जीत पाया

नई दिल्ली/भाषा। करण जौहर ने मंगलवार को कहा कि 2023 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय संपूर्ण मनोरंजक फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर वह दिल से बहुत आभारी हैं और इसे लेकर उनके दिल में बहुत उत्साह और जोश है।

'कुछ कुछ होता है', 'कल हो ना हो', 'माई नेम इज खान' जैसी हिट फिल्मों के लिए मशहूर निर्माता-निर्देशक, राष्ट्रीय पुरस्कार ग्रहण करने के लिए दिल्ली में हैं। उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार के 'रेड कार्पेट' पर दूरदर्शन को बताया, ''यह मेरा लगातार तीसरा राष्ट्रीय पुरस्कार है। 2021 में हमें यह 'शेरशाह' के लिए मिला था और 2022 में हमें 'ब्रह्मास्त्र' के लिए सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स और इस साल का सबसे संपूर्ण और लोकप्रिय मनोरंजन (पुरस्कार) मिला है। इस समय मैं बहुत जोश में हूं। इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।''

आलिया भट्ट और रणवीर सिंह अभिनीत 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से 2016 में आई 'ऐ दिल है मुश्किल' के बाद जौहर ने निर्देशन में वापसी की है। यह जौहर का लगातार तीसरा और कुल चौथा राष्ट्रीय पुरस्कार है।

यह जौहर के लिए एक चक्र के पूरा होने जैसा है कि क्योंकि उन्हें अपनी पहली निर्देशित फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के लिए इसी श्रेणी में नामांकित किया गया था। फिल्म निर्माता ने कहा, ''जब भी हमें राष्ट्रीय पुरस्कार मिलता है, मुझे लगता है कि मैंने जूरी और दर्शकों का दिल जीतने और इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कुछ तो सही किया है। जूरी के प्रति बहुत बहुत सम्मान और आभार। मैं उत्साहित हूं, हमें जिस श्रेणी में पुरस्कार मिल रहा है उसमें तीन शब्द हैं, 'संपूर्ण', 'लोकप्रिय' और 'मनोरंजक', तो एक निर्देशक को और क्या चाहिए? यह और भी खास है क्योंकि मेरा पहला राष्ट्रीय पुरस्कार इसी श्रेणी में 'कुछ कुछ होता है' (पहली फिल्म) के लिए मिला था। इसलिए 27 साल बाद उसी श्रेणी में आना मेरे लिए एक भावुक क्षण है।'' वर्ष 2021 में जौहर ने 'शेरशाह' के लिए विशेष जूरी पुरस्कार जीता, 2022 में उन्होंने 'ब्रह्मास्त्र: भाग एक – शिवा' के लिए सर्वश्रेष्ठ वीएफएक्स का विशेष पुरस्कार जीता और इस साल 'रॉकी और रानी...' के लिए वर्ष का सबसे संपूर्ण और लोकप्रिय मनोरंजक फिल्म का पुरस्कार जीता।

## राजनीति में आपको 'मोटी चमड़ी' वाला होना पड़ेगा : उच्च न्यायालय ने भाजपा नेता गौरव भाटिया से कहा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि जो व्यक्ति राजनीति में होता है, उसे ''मोटी चमड़ी'' (आलोचनाओं को सहने) वाला होना चाहिए, लेकिन व्यंग्य और मानहानि के बीच अंतर करना होगा।

न्यायमूर्ति अमित बंसल ने भाजपा नेता और वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया की एक अर्जी पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

अर्जी में, भाटिया ने इस महीने की शुरुआत में एक टेलीविजन समाचार कार्यक्रम में उनके पहनावे को लेकर सोशल मीडिया से ''अपमानजनक'' सामग्री हटाने की मांग की है। कार्यक्रम में उन्हें ''बिना पैंट/पायजामा'' के कुर्ता पहने कथित तौर पर देखा गया था।

भाटिया की ओर से पेश हुए वकील ने अदालत को बताया कि उन्होंने 'शॉर्ट्स' पहना हुआ था और कैमरामैन ने गलती से उनके शरीर का निचला हिस्सा दिखा दिया। उन्होंने दावा किया कि घटना से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट भाटिया की निजता का उल्लंघन करते हैं और आपत्तिजनक टिप्पणियों को हटाया जाना चाहिए।

न्यायाधीश ने कहा कि अदालत को एकपक्षीय व्यादेश (इनजंक्शन) पारित करते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए और मामले की सुनवाई 25 सितंबर के लिए निर्धारित कर दी।

न्यायाधीश ने कहा, ''हमें बहुत सावधान रहना होगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि ऐसे मामलों में एकपक्षीय आदेश पारित नहीं करना चाहिए। हमें बहुत सावधान रहना होगा।''

वकील ने दलील दी कि तस्वीर उनके घर की ''निजता में ली गई थी'' और उनकी सहमति के बिना इसे प्रसारित नहीं किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, ''यह मेरी (भाटिया की) निजता का हनन है। मैं अपने घर की निजता में बैठा था। ऐसी तस्वीरें मेरी सहमति के बिना प्रसारित नहीं की जा सकतीं।'' इस पर न्यायाधीश ने कहा, ''वे आपके घर में जबरन नहीं घुसे थे।''

न्यायाधीश ने कहा, ''जब आप राजनीति में हैं, तो आपको मोटी चमड़ी वाला होना पड़ेगा। हमें यह पता लगाना होगा कि क्या व्यंग्यात्मक है और क्या अपमानजनक। इसलिए, फिलहाल हमें आपत्तिजनक और व्यंग्यात्मक टिप्पणियों में अंतर करना होगा।''

हालांकि, न्यायाधीश ने कहा कि अश्लील टिप्पणियों को हटाना होगा।

## दिग्गज अभिनेता मोहनलाल के साथ पूथोट्टा में शुरू हुई 'दृश्यम-3' की शूटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। दिग्गज अभिनेता मोहनलाल अभिनीत 'दृश्यम' फिल्म शृंखला की अगली कड़ी 'दृश्यम-3' की शूटिंग पूथोट्टा के एसएन लॉ कॉलेज में शुरू हुई। मोहनलाल का नाम हाल में दादा साहब फाल्के पुरस्कार के लिए चुना गया है। शूटिंग के उदघाटन समारोह में पारंपरिक दीप प्रज्वलन और पूजा-अर्चना की गई। निर्देशक जीतू जोसेफ और निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर भी मोहनलाल के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। पत्रकारों से बात करते हुए, मोहनलाल ने भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान के लिए चुने जाने पर अपनी खुशी जाहिर की। दृश्यम शृंखला के नए भाग में जॉर्जकुट्टी की अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि जॉर्जकुट्टी कुछ परेशानियां खड़ी करेगा लेकिन मुझे ज्यादा कुछ बताने के लिए मना किया गया है। सस्पेंस ही 'दृश्यम-3' का रोमांच और आकर्षण है। मोहनलाल ने कहा कि फिल्म शूटिंग उदघाटन समारोह के बाद वह दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्राप्त करने के लिए नई दिल्ली जाएंगे। दृश्यम-1 (2013) और दृश्यम-2 (2021) पूरे देश में हिट रहीं और इनका पुनर्निर्माण (रीमेक) हिंदी, सिंहला, मंदारिन और कोरियाई सहित कई भाषाओं में किया जा चुका है। निर्देशक जीतू जोसेफ ने कहा कि दर्शकों को ज्यादा उम्मीदें नहीं बल्कि जिज्ञासा लेकर आना चाहिए। यह फिल्म कोई थ्रिलर नहीं बल्कि एक पारिवारिक ड्रामा है, जो पिछले चार साल में जॉर्जकुट्टी के परिवार में आए बदलावों पर केंद्रित है। निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर ने इसे एक अविस्मरणीय दिन बताया। उन्होंने मोहनलाल को पुरस्कार मिलने की घोषणा के तुरंत बाद दृश्यम-3 की शुरुआत के प्रतीकात्मक महत्व पर भी बात की।

## लंदन फैशन वीक में जैकलीन फर्नांडीज ने बिखेरा जलवा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने जलवा बिखेर दिया। लंदन फैशन वीक के मंच पर उस समय सबकी निगाहें ठहर गईं जब बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस ने मशहूर डिजाइनर अनामिका खन्ना के लिए रैम्प वॉक किया। अपनी बेहतरीन स्टाइल और रेड कार्पेट लुक्स के लिए पहचानी जाने वाली जैकलीन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह फैशन की दुनिया में किसी अंतरराष्ट्रीय आइकन से कम नहीं हैं। इस खास मौके पर जैकलीन ने एक स्टेटमेंट ब्लेज़र पहना था, जिसमें बारीकी से बने ज्योमेट्रिक पैटर्न ने सबका ध्यान खींचा। यह टेलर्ड ब्लेज़र न सिर्फ उनके फिगर को खूबसूरती से उभार रहा था, बल्कि इसके मॉदगीपूर्ण स्टाइलिंग के साथ जैकलीन ने इस शानदार पोशाक की खूबसूरती को पूरी तरह उभरने दिया, डर्न डिज़ाइन ने क्लासिक स्टाइल को हाई-फैशन लुक में बदल दिया। बेहद मिनिमल एक्सेसरीज़ और साजिससे उनका आत्मविश्वास और एलीगेंस दोनों साफ झलक रहा था।इस लुक की हर बारीकी कट्स से लेकर पैटर्न तक डिजाइनर अनामिका खन्ना के कारीगरी और रचनात्मकता का प्रतीक रही। जैकलीन की यह मौजूदगी न केवल भारतीय डिज़ाइन को एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर सामने लाने वाली रही, बल्कि एक बार फिर उन्होंने यह साबित किया कि वे ग्लोबल लेवल पर फैशन ट्रेंड्स सेट करने वाली हस्तियों में शुमार हैं। फैशन की दुनिया में लगातार छा रही जैकलीन फर्नांडीस हर एक अपीयरेंस के साथ ग्लैमर और स्टाइल का नया बेंचमार्क सेट कर रही हैं। अनामिका खन्ना के साथ उनका यह कोलैबोरेशन भारतीय फैशन और वैश्विक स्टाइल के मेल का एक बेहतरीन उदाहरण बनकर उभरा है।लंदन फैशन वीक में यह शानदार प्रस्तुति जैकलीन फर्नांडीस की अंतरराष्ट्रीय फैशन सर्किट में मजबूत होती पहचान को और पुख्ता करती है, और इस सीज़न के फैशन हाइलाइट्स में एक यादगार मोमेंट के रूप में दर्ज हो गई है।

## यामी गौतम और इमरान हाशमी की फिल्म हक का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

यामी गौतम और इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म हक का टीजर रिलीज हो गया है। जंगली पिक्चर्स ने इनसोम्निया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज के साथ मिलकर अपनी नई फिल्म 'हक' की घोषणा की है। यह एक दमदार ड्रामा है, जो मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले से प्रेरित है। फिल्म में यामी गौतम धर और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं, और इसका निर्देशन सुपर्ण एस. वर्मा ने किया है। फिल्म हक का टीजर रिलीज हो गया है।।मध्य प्रदेश के इंदौर की शाह बानो बेगम को 1978 में उनके पति ने तलाक दे दिया था। इसके बाद शाह बानो ने सर्वोच्च न्यायालय में एक आपराधिक मुकदमा दायर किया, जिसमें उन्होंने अपने पति से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार जीता। सात साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद, 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया। टीज़र शाज़िया नाम के किरदार की दुनिया की झलक दिखाता है, जिसमें दर्द, अन्याय और गरिमा के लिए लगातार संघर्ष दिखाई देता है। यामी गौतम ने इस उलझन को बेहद प्रभावशाली ढंग से निभाया है, उनके हाव-भाव खुद ही उस चुपचाप संघर्ष की कहानी बयां कर रहे हैं, जो महिलाएं रोज़ाना सहती हैं।

फिल्म 'हक', जिग्ना वोरा द्वारा लिखित 'बानो: भारत की बेटी' नामक किताब पर आधारित एक काल्पनिक और नाटकीय कहानी है। शाह बानो बेगम अस्सी के दशक में पुरुष प्रधान समाज में अपने स्वाभिमान और हक़ के लिए लड़ी । यह फिल्म सात नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की बेहतरीन कलाकारों की सूची में शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टांगड़ी जैसे मंजे हुए कलाकार भी शामिल हैं।

## फिल्म 'मस्ती 4' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

मिलाप ज़वेरी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'मस्ती 4' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी मस्ती एक बार फिर धमाके के साथ वापसी कर रही है। वेवबैंड प्रोडक्शन ने 'मस्ती 4' का टीज़र लॉन्च कर दिया है, जिसे मिलाप मिलन ज़वेरी ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म मस्ती 4 में एक बार फिर रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी अपने पसंदीदा किरदार अमर, मीत और प्रेम के रूप में नज़र आएँगे। इन कलाकारों के साथ फिल्म में श्रेया शर्मा, रूही सिंह और एलनाज़ नोरौज़ी भी शामिल हुई हैं, जो इस हंसी के सफर को और ताज़गी और चमक से भर देंगी। यूके और मुंबई में शूट की गई इस फिल्म के टीज़र में बड़े पैमाने पर भव्यता और मिलाप मिलन ज़वेरी के मसाला एंटरटेनर का अंदाज़ झलकता है। हालांकि इसके अलावा फिल्म में कई बड़े नाम भी सरप्राइज़ रोल में नज़र आएँगे निर्देशक मिलाप मिलन ज़वेरी ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, पहली दो 'मस्ती' फिल्मों को लिखने से लेकर अब 'मस्ती 4' निर्देशित करने तक का यह सफर मेरे लिए सचमुच एक फुल सर्कल मोमेंट है। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं इंद्र कुमार सर की विरासत को आगे ले जा रहा हूँ, जिनकी दृष्टि ने इस फ्रेंचाइज़ी की नींव रखी।

उनकी फिल्मों ने कॉमेडी एंटरटेनर्स का पैमाना तय किया और मैं अपने स्टाइल में उस विरासत को आगे बढ़ाने का सौभाग्य पा रहा हूँ। 'मस्ती 4' में हम मस्ती को एक नए स्तर पर ले गए हैं, जिसमें दर्शकों को मिलेगा ज़्यादा एंटरटेनमेंट, गहरा ड्रामा, ज़्यादा पागलपन के साथ अनलिमिटेड कॉमेडी का डोज। वैसे टीज़र तो बस उस कॉमेडी के तूफ़ान की झलक है, जो बड़े पर्दे पर उनका इंतज़ार कर रही है।

निर्माता शिखा करण आहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन) ने कहा, वेवबैंड में हमारा उद्देश्य ऐसी फिल्में बनाना है जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करें और उन्हें कहानी कहने की जादुई दुनिया में डुबो दें। मस्ती फ्रेंचाइज़ी को सालों से उसके ह्यूमर और एंटरटेनमेंट वैल्यू के लिए प्यार मिलता रहा है और 'मस्ती 4' के साथ हम इसे अगले स्तर पर ले जा रहे हैं, जहां होगा भव्य स्केल, शुद्ध मस्ती और धमाल।

टीज़र दर्शकों को उस हंसी के विस्फोट की एक झलक देगा, जो हम बड़े पर्दे पर लेकर आ रहे हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और वेवबैंड प्रोडक्शन की प्रस्तुति में मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफ़िल्म्स के साथ मिलकर बनाए गए 'मस्ती 4' के निर्माता ए. झुनझुनवाला और शिखा करण आहलूवालिया (वेवबैंड प्रोडक्शन), इंद्र कुमार और अशोक ठकेरिया (मारुति इंटरनेशनल), शोभा कपूर और एकता कपूर (बालाजी मोशन पिक्चर्स), और उमेश बंसल हैं। मस्ती 4 ,21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

## फातिमा सना शेख ने हिंदी फिल्मों के बारे में मांगे सुझाव

मुंबई/एजेन्सी

फातिमा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उन्होंने मेहरून रंग की साड़ी के साथ मल्टी कलर का ब्लाउज पेयर किया है। कानों में बड़े-बड़े झुमके, हाथों में चूड़ी, आंखों में गहरा काजल, माथे पर छोटी-सी लाल बिंदी और हल्का-सा मेकअप उनके लुक को और निखार रहा है। वहीं, बालों को उन्होंने खुला छोड़ रखा है। कैप्शन में फातिमा ने लिखा, बताओ...आजकल क्या देख रहे हो? कुछ हिंदी फिल्मों के बारे में सुझाव दें। फातिमा की इस पोस्ट को प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं, वे इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया रिलीज फिल्में 'आप जैसा कोई' और अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' थीं। फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर, और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में थे।अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा निर्मित फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में विजय वर्मा के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। मेकर्स ने इसका टीजर रिलीज कर दिया। पुरानी दिल्ली की गलियों और पंजाब की पुरानी कोठियों की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें जुनून और अनकही चाहत की गहराई है। फातिमा अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रह चुकी हैं; उनका नाम कई स्टार्स के साथ जोड़ा जा चुका है।

## यशराज फिल्म्स ने जारी किया 'मर्दानी 3' का नया पोस्टर

मुंबई/एजेन्सी

यश राज फिल्म्स ने नवरात्रि की शुभ शुरुआत को खास बनाते हुए अपनी आने वाली फिलम मर्दानी 3 का नया पोस्टर रिलीज किया है। मर्दानी 3 का नया पोस्टर अच्छाई और बुराई के बीच होने वाले महायुद्ध की तैयारी को दर्शाता है। रानी मुखर्जी एक बार फिर से अपने सर्वसम्मति से पसंद किए गए किरदार साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में वापसी कर रही हैं।पोस्टर के साथ 'ऐगिरी नंदिनी' के शक्तिशाली मंत्र उच्चारण को जोड़ा गया है, जो माँ दुर्गा की उस शक्ति का उत्सव है जब उन्होंने महिषासुर का वध किया था। यह संकेत देता है कि शिवानी को एक निर्दयी केस सुलझाने और न्याय दिलाने के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालते हुए पूरी दृढ़ता की आवश्यकता होगी। मर्दानी सीरीज़,भारत की सफल महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइजी है, लगातार अपने सशक्त कथानक से दर्शकों का दिल जीतती रही है। वर्ष 2014 में मर्दानी और वर्ष 2019 में मर्दानी 2 प्रदर्शित हुयी थी।इस प्रतिष्ठित महिला-पुलिस फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग का निर्देशन अभिराज मिनावाला ने किया है और इसे आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म मर्दानी 3, 27 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

# मंत्रों में आपार शक्ति है : राष्ट्रसंत कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां साहुकारपेट के जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने नवरात्रि के दूसरे दिन मंगलवारको जाप समारोह में कहा कि प्रत्येक शब्द में संपूर्ण ब्रह्मांड की शक्ति का समावेश है। शब्द ही ब्रह्मा का रूप है। जो धर्म गुरु और परमात्मा से बढ़कर है। शब्द शब्द नहीं ब्रह्म वाक्य है जो शाश्वत है। कम से कम दो शब्दों के मिलने पर छोटे से छोटे मंत्र का निर्माण होता है। अद्भुत आलोकित शक्ति का संचार होता है। मंत्रों में आपार शक्ति है।

सभी धर्म में अपने-अपने रूप से मंत्रों का महत्व है सबके भगवान ग्रंथ और मंत्र अलग हो सकते हैं। लेकिन माला का अस्तित्व सभी धर्म में है जो जाप की शक्ति को स्वीकार करते हैं। जिनके माध्यम से क्षेत्र शुद्ध और भाव शुद्ध होता है। मंत्र संकट मोचन जो अमंगल को भी मंगल में परिवर्तित कर देते हैं।

उन्होंने कहा कि आज भी मंत्रों का वही प्रभाव है तभी तो नई लोकसभा के उद्घाटन पर मंत्रोचार के माध्यम से इसका शुभारंभ हुआ मंत्र आध्यात्मिक साधना का प्राण है। आसुरी शक्ति का प्रकोप, देवी प्रकोप, प्राकृतिक प्रकोप, जिनको नियंत्रण करने की क्षमता सत्ता संपत्ति और शक्ति में नहीं है सिर्फ सिर्फ महापुरुष की भक्ति साधना के मंत्र के माध्यम से हो सकता है। जैन संत ने बताया कि जाप उचित समय में किया जाए उसके साथ तपस्या का समावेश किया जाए तो ज्यादा प्रभावशाली होगा। मंत्रों के शब्द संपूर्ण ब्रह्मांड में पहुंचते हैं उनका वाइब्रेशन प्राणी मात्रा को सुख समृद्धि और शांति प्रदान करता है। आज भी मंत्रों के माध्यम से सांप का जहर उतर रहा है। अंत में उन्होंने कहा कि जाप इम्युनिटी पावर विकसित होता है जिससे आत्मा की आनंद शक्ति जागृत होती है जो कर्मों से मुक्ति दिलाने विचारों को पवित्र बनाने, शरीर को निरोग बनाने और अभिशाप से मुक्ति पाने के लिए रामबाण औषधि के समान है। मंत्र के साथ निस्वार्थ भाव से दुआओं का समावेश हो जाए तो उसका प्रभाव तत्काल सामने नजर आएगा। मैंने मंत्रों के चमत्कारों को देखा है। नवरात्रि के पवित्र नौ दिन तक अलग-अलग मंत्रों का जाप होगा। घनश्याम मुनिजी कौशल मुनिजी ने जाप करवाया। संचालन मंत्री डॉ संजय पिचा ने किया।

# भीतर के चक्षु खोलो, आत्मा का सत्य पहचानो : पं. विमल पुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां के किलपॉक स्थित एससी शाह भवन के प्रांगण में विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि जब तक आत्मा जागृत नहीं है, तब तक सम्यक दर्शन प्रकट नहीं होगा। इसलिए भीतर के चक्षु खोलो और आत्मा के सत्य को पहचानो। उन्होंने कहा कि वास्तविक साधना वही है जो तात्त्विक, सात्विक अधिकार के आधार पर हो। उन्होंने सम्यक्त्व को स्थिर रखने वाली छह आस्थाओं की विवेचना करते हुए समझाया कि साधना तभी सार्थक है, जब साधक प्रभु द्वारा बताई मान्यता को स्वीकार करे। गुरु के वचन को मानना इसलिए आवश्यक है क्योंकि वह परमात्मा की देशना है। आज्ञा और मान्यता के बिना कोई साधना सफल नहीं हो सकती।

आत्मा के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि आत्मा द्रव्य से नित्य और पर्याय से अनित्य है। जब आत्मा को विशेषण मिलता है तो वह उसे विशेष बना देता है। जिनशासन के प्रत्येक शब्द में स्यादवाद निहित है। बालक की स्तनपान की प्रवृत्ति पूर्व जन्म के संस्कारों का प्रमाण है, जो आत्मा की नित्यता सिद्ध करता है। देवत्व, मनुष्यत्व, नारकीत्व भी आत्मा के केवल अनित्य पर्याय हैं। पंन्यासश्री ने बताया कि जहां-जहां समकित की स्पर्शना होती है, वहां ज्ञान का द्वार खुलता है। यदि नारकी जीव भी अपने पाप का स्मरण कर पश्चात्ताप करता है, तो उसमें भी समकित का अंश प्रकट होता है।

कर्म और आत्मा के संबंध को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि आत्मा को कर्म के सहयोग से प्रवृत्ति करनी पड़ती है, लेकिन कर्म केवल सहायक है, आत्मा ही अपने गुणों का वास्तविक कर्ता है। अंत में उन्होंने कहा कि आत्मा के भीतर अनंत ज्ञान निहित है, जिसे तत्त्व के रहस्य को समझकर ही प्रकट किया जा सकता है।

# अनुभव के आलोक से अनुभवी होते बड़े-बुजुर्ग : साध्वी उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा द्वारा साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में 65 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के श्रावक-श्राविकाओं के लिए 'दादा दादी चित्त समाधि शिविर' तेरापंथ भवन साहूकारपेट में समायोजित हुआ। नमस्कार महामंत्र समुच्चारण के पश्चात तीर्थंकर स्तुति से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। तेरापंथ सभाध्यक्ष अशोक खतंग ने स्वागत स्वर प्रस्तुत किया।

'बीती ताहि विसार दे, आगे की सुधि लेई' विषय पर प्रस्तुति देते हुए साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि आप माईत (बड़े-बुजुर्ग) अनुभव के आलोक से आलोकित अनुभवी होते है। छोटे कितने ही ज्ञानवान, जानकार, होशियार हो सकते है, लेकिन उनके साथ जब मात-पिता, दादा-दादी का आंतडियों से निकला आशीष मिल जाता है, तो वे सफलता के हर पायदान को प्राप्त कर सकते है, उत्तम मार्ग को प्राप्त, निर्माण कर सकते है।

साध्वीश्री ने विशेष पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि नर्क, स्वर्ग और मोक्ष- इस तीन प्रकार की जीवन शैली होती है। आप सभी का लक्ष्य बने कि अब हम परिवार की नवीन पीढ़ी के कार्यों में ज्यादा हस्तक्षेप न करे, रोक-टोक न करे। अपने अनुभव के खजाने से प्रेम के शब्दों का उपयोग कर छोटो को समझाने से आपका जीवन स्वर्ग के समान हो सकता है। अपने जीवन को और भी उन्नत बनाने के लिए अध्यात्म के पुट से भावित करे। श्रावक के बारह व्रत, सुमंगल साधना से जुड़कर, अपनी मस्ती में रहने से मोक्ष की जीवन शैली बन सकती है।

साध्वी संगीतप्रभाजी ने कहा कि जीवन का यह संध्याकाल आत्मरंजन का समय है। बुढ़ापे में शानदार, जानदार, अपने आप में रमण करने का समय है। आगे की जीवन यात्रा के लिए त्याग, प्रत्याख्यान, संयम रुपी धर्म से टिफिन भरने का समय है। सांसारिक बही-खातों से उपरत बनकर, आगे की यात्रा के लिए त्याग का बही-खाता बनाये। अपने आत्म प्रदेशों के अन्दर ही रहने, उलझने से आप बाहरी क्रोध, काम, वासना की से दूर रह सकते है। सुझावों से सुलझे रह सकते है। वही शिकायतों को विवेक की तूली से जला कर सुखद, उज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते है।

संचालन करते हुए साध्वी भव्ययशाजी ने रिसोर्ट के अक्षरों से प्रेरणा देते हुए कहा कि अब हमें भीतरी रिसोर्ट में रहना चाहिए। सहज संयम का जीवन जीना चाहिए। रसनेन्द्रिय संयम, एकाग्रता के लिए प्रायोगिक प्रयोग भी करवाये। साध्वी भव्ययशाजी, साध्वी शिक्षाप्रभाजी ने भावपूर्ण- 'अपने घर भीतर आकर, हम सदा सुखी बन जाये', गीत का संगान किया। लक्की ड्रा के माध्यम से आगन्तुक शिविरार्थियों ने प्राप्त संकल्पों से संकल्पित हो, अपने आप के भाग्य को सराहा।

शिविर संयोजक सम्पतराज चोरड़िया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि आज के कार्यक्रम में लगभग 180 श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। इनमें से ऐसे कई व्यक्ति भी है, जो संभवत: अपने घर से बाहर भी नही निकल सकते, लेकिन आज उनके परिजनों के सहयोग से वे साध्वीवृन्द से आध्यात्मिक सम्प्रोषण प्राप्त करने के लिए यहां उपस्थित हुए है। मंत्री गजेंद्र खांटेड ने आभार प्रकट किया।

# ज्ञान युवक मंडल की 30वीं वर्षगांठ पर अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रायपुरम् के ज्ञान युवक मण्डल की 30वीं वर्षगांठ के मौके पर जैन भवन रायपुरम् में दो दिवसीय कार्यक्रम हुए। पहले दिन 20 सितमबर को 250 जरूरतमंदों को अन्नदान किया गया। शाम को शाम को 'प्रभु भक्ति के रंग...' प्रसिद्ध कलाकार राकेश माण्डोत एण्ड टीम द्वारा भक्ति संध्या रखी गई। जिसका सभी दर्शकों ने खूब आनंद लिया। रविवार को एसएस जैन ट्रस्ट के सान्निध्य में राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी म.सा. कमलेश के सानिध्य में रायपुरम में जैन भवन में समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह की अध्यक्षता भंवरलाल ओस्तवाल, पुरानी धोबीपेट, गौतमचंद बरोला, सिंगपेरुमाल कोईल, समारोह विशिष्ट समाजसेवी विमल सांखला, ओटेरी ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डा. कैलाश -. जैन द्वारा इन्स्टाग्राम पेज का शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष कमल कोठारी ने पधारे सभी का स्वागत किया। संस्थापक अध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी ने मंडल की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। चंदनबाला महिला मंडल की सदस्याओं ने मंडल के बारे में नाटिका प्रस्तुत की। विनोद कोठारी ने रक्तदान के बारे में सभी को जागरूक किया। सुबह सामूहिक नवकार जाप एवं प्रवचन तथा सामूहिक एकासण एवं अंत में गौतम प्रसादी रखी गई। जिनेश्वर मंडल यम सी रोड के पदाधिकारीयों ने ज्ञान युवक मंडल की सेवाओं के लिए मंडल को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया।

# अच्छे संकल्प ही भविष्य को अच्छे बनाते हैं : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजित डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सानिध्य में मंगलवार को पुच्छिसुणम सूत्र का दूसरा दिवस मनाया गया। प्रवचन में मुनिश्री ने बताया कि संसार हमेशा चाहता है कि इंसान बिगड़ा हुआ ही रहे, सुधरे नहीं। यदि कोई झूठ बोलता है, कपट करता है तो संसार खुश रहता है, लेकिन जिस दिन वह झूठ और कपट छोड़ देता है, उसी दिन संसार उससे नाराज़ हो जाता है। संसार का गणित हमेशा स्वार्थ से भरा होता है - यदि कोई हमारे काम का है तो अच्छा है, और यदि नहीं है तो उसका कोई मूल्य नहीं। यही नियम हर रिश्ते पर लागू होता है और यही संसार का स्वभाव है।

मुनिश्री ने कहा कि जैसे ही कोई व्यक्ति झूठ बोलना छोड़ना चाहता है, कपट त्यागना चाहता है, तभी संसार उसके खिलाफ खड़ा हो जाता है। इसी को समझाने के लिए उन्होंने परदेशी राजा और सूर्यकांता रानी की कथा का उदाहरण दिया। जब राजा झूठ बोलता था, तब रानी उसे बहुत पसंद करती थी। लेकिन जैसे ही राजा ने झूठ और कपट छोड़ दिया और सुधार की ओर कदम बढ़ाए, तब वही रानी उससे नफरत करने लगी। मुनिश्री ने कहा, यह संसार की प्रवृत्ति है कि बिगड़े हुए इंसान को पसंद करता है, लेकिन सुधरने पर उससे दूरी बना लेता है। इसलिए संसार में रहते हुए भी हमें धर्म की बात सुननी चाहिए, न कि संसार की।

उन्होंने आगे कहा कि संकल्प हमेशा धर्म का होना चाहिए, पाप का नहीं। उदाहरण देते हुए कहा - वह घूमने गया तो मुझे भी जाना है, उसने घर लिया तो मुझे भी लेना है। यह सब हिंसक और पापी संकल्प हैं। हमें ऐसे संकल्प नहीं लेने चाहिए। धर्म का संकल्प लेना चाहिए। धर्म होगा या नहीं होगा, यह आगे की बात है, लेकिन धर्म का संकल्प लेने से पापों की निर्जरा होती है। आगमकार कहते हैं कि धर्म का संकल्प लेने से वीपुल पाप कर्म नष्ट हो जाते हैं। इसलिए अच्छे संकल्प लें, मन से धर्मात्मा बनें और अनावश्यक पाप कर्मों से बचें। मंत्री विनयचंद पावेचा ने बताया कि मंगलवार रात्रि को नवरात्रि विशेष जाप का आयोजन किया गया है जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे।

# मालाराम वागड़ा बने कोयंबटूर चौधरी समाज के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबतूर। चौधरी समाज ने सर्व सहमति से मालाराम वागड़ा को अध्यक्ष मनोनीत किया।

उन्होंने अपने कार्यकारणी की घोषणा की। जिसमें मालाराम वागड़ा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष प्रताप ओड और भीमा राम ओड, सचिव शंकरलाल ओड, कोषाध्यक्ष जगदीश नोका, सह सचिव लक्ष्मण तरकलर, सह सचिव हनुमान काग, सह कोषाध्यक्ष मांगीलाल और उक्काराम को बनाया गया है वहीं कार्यकारिणी समिति में 13 सदस्यों को लिया गया है। मीडिया प्रभारी किशोर कुमार ने बताया कि मालाराम वागड़ा और उनकी टीम ने पूर्व अध्यक्ष जोराराम, पूर्व कोषाध्यक्ष छतराराम, पूर्व सेक्रेटरी जुंझाराम सह सेक्रेटरी जेपाराम, सह कोषाध्यक्ष दुदाराम और समाज के वरिष्ठ जीवाराम, धनराज, ओखाराम से आशीर्वाद प्राप्त किया।

# गोपालपुरम में श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव का आयोजन कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सानिध्य व श्री जैन संघ गोपालपुरम के तत्वावधान में अहिंसा के अग्रदूत, विश्व चेतना के संवाहक पुरुष श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2551 वें निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में 25 सितम्बर गुरुवार से श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत् भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन और विवेचन किया जाएगा। मंगलवार को श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने इस सूत्र की महिमा बताते हुए कहा कि यह पवित्र सूत्र सम्पूर्ण जैन आगम साहित्य का प्रतिनिधि शास्त्र है। इसमें भगवान महावीर ने अपने निर्वाण से कुछ समय पहले जो देशना दी उसका संकलन है। जैन धर्म में इस आगम की विशेष महिमा है। इसमें जीवन व्यवहार का सम्पूर्ण विज्ञान समाहित और जीवन निर्माण के सूत्र प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इसके पठन और श्रवण करने से ज्ञानावर्णीय कर्म का क्षय होता है। जीव का कर्म के साथ अनादि काल से सम्बन्ध होने पर भी जब जन्ममरण-रूप संसार से छूटने का समय आता है तब जीव को विवेक उत्पन्न होता है - अर्थात् आत्मा और जड़ की भिन्नता मालूम हो जाती है। तप-ज्ञान-रूप अग्नि के बल से वह सम्पूर्ण कर्ममल को जला कर शुद्ध सुवर्ण के समान निर्मल हो जाता है। उत्तराध्ययन सूत्र के पारायण से बुद्धि निर्मल होती है विचारों का परिष्कार होता है। एकाग्रता विस्तार पाती है। प्रतिवर्ष भगवान् महावीर के निर्वाण उत्सव पर उत्तराध्ययन सूत्र के वांचन की जिनशासन में एक स्वस्थ परंपरा प्रचलित है। इस श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित होकर भगवान् महावीर की अंतिम वाणी उत्तराध्ययन सूत्र को सुनकर अपने को धन्य अनुभव करते हैं।

# जैन संघ ट्रस्ट मैलापुर में आयोजित हुआ भक्तामर महापूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के श्री जैन संघ ट्रस्ट मैलापुर के तत्वावधान में तथा साध्वी सौम्यरत्नाश्री जी म.सा. के सान्निध्य में रविवार को सुबह गच्छाधिपति दौलतसागर सूरीश्वर जी के 105वें अवतरण दिवस के अवसर पर भक्तामर महापूजन का भव्य आयोजन चंपापुरी भवन के प्रांगण में संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर के लाभार्थी संघवी भागचंद, भारत और गौतम कोठारी परिवार रहे। महापूजन के दौरान जिनालय में मूलनायक वासूपूज्य स्वामी की स्वर्ण, रजत एवं बहुमूल्य रत्नों जड़ित आंगी रची गई, और फल-फूलों से जिनालय की भव्य सजावट की गई।

सायंकालीन समय में कुमारपाल महाराजा की 108 दीपकों से आरती आयोजित की गई, जिसका लाभ संघवी कंचनदेवी रोकड़चंद हरीश कोठारी परिवार ने लिया।

कार्यक्रम के दौरान विधि कारक चिराग गुरुजी, संगीत संयोजन के लिए सिद्धार्थ कोचर, और अन्य सहयोगी श्रद्धालुजन तथा कार्यकर्ताओं ने अपनी सेवा और सहयोग प्रदान किया। इस आयोजन ने सभी उपस्थितजनों के हृदय में भक्ति और अनुशासन का विशेष भाव उत्पन्न किया।

# आराध्य के दरबार में याचकवृत्ति निपट अज्ञानता है : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि भक्त और याचक में गहरा अंतर होता है। इसे समझकर ही भक्तिमार्ग की साधना हो सकती है। भगवान की भक्ति जीवन के परिवर्तन और आध्यात्मिक उन्नति के लिए होती है। आज तो मंदिरों में भक्तजनों की संख्या कम और याचकों की भीड़ ज्यादा होती हैं। आराध्य के दरबार में याचकवृत्ति निपट अज्ञानता है। जो भगवान के पास भी भौतिक सुख-सुविधाओं की याचना के लिए जाते हैं, वे दुर्गुणों से मुक्त बनने और शांति से जीने का प्रयास कहां और कब करेंगे? क्योंकि भौतिक सुखों का कोई अंत नहीं है और याचकवृत्ति मनुष्य को कभी सच्चा भक्त भी बनने नहीं देती, इसलिए हर व्यक्ति को सबसे पहले यह समझने की आवश्यकता है कि हम भगवान को चाहते हैं या भगवान से कुछ चाहते हैं ? यदि भगवान से प्रीति है तो फिर कुछ मांगने की आवश्यकता नहीं है और अगर भगवान से कुछ चाहते हैं तो यह भक्ति नहीं है, मात्र याचक वृत्ति है। भक्ति तो निष्काम भाव से समर्पण की भूमिका पर होती है। संसार के भोग-सुख मांगने के लिए मंदिर जाना तो भगवान को प्रेम करने की प्रक्रिया नहीं है। वह स्वार्थ मात्र है। आचार्य मानतुंगसूरी, आचार्य सिद्धसेन दिवाकर, मीरा, संत तुलसीदास, संत तुकाराम आदि ऐसे भक्त नहीं थे। उनकी भक्ति परमात्मा के प्रति शुद्ध प्रीति के स्वरूप में थी। आधुनिक युग में भक्तों की कमी स्पष्ट दिखाई देती है। जहां देखो वहां, हर आराध्य की चौखट पर याचक ही नज़र आते हैं। इस प्रकार संसार के भोग-सुख मांगने वाला जीवन में कभी आध्यत्मिक उन्नति नहीं कर सकता। जो भौतिकता के दलदल में फंसा हुआ हो, वह कभी आध्यत्मिक जगत का मूल्यांकन भी नहीं कर पाता। ङ्गजैनाचार्य ने आगे कहा कि धर्मक्षेत्र को व्यापार और भगवान को भोग-सुख का साधन नहीं बनाना चाहिए। धर्म तो आचरण की पवित्रता, विचारों की उत्कृष्टता और भावनाओं की गहराई का प्रतीक है। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि आज धर्म को स्वदर्शन के बजाय प्रदर्शन में लाया गया है। उसे बाजारू बना दिया गया है। मनुष्य को अपने सांसारिक जीवन को धर्म के रंग से रंगना था, उसके बजाय वह धर्म को संसार के रंगों से रंगते जा रहा है। धार्मिक मनुष्य का जीवन तो इत्र जैसा होता है। वह जहां भी जाता है, वहां ज्ञान और सदाचार की खुशबू फैलता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.